सूर्योदय दि. 04-11-2021
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 11.1° न्यूनतम तापमान 22.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

Happy Diwali

E-mail opensearchdelhi@gmail.com Facebook https://www.facebook.com/opensearch.co.in Website | www.opensearch.co.in

उर्फी जावेदकभी दिखती थीं ऐसी... पृष्ठ-8 पर

वर्ष : 06 अंक : 215 | नई दिल्ली, गुरुवार 04 नवम्बर-2021 | नई दिल्ली, बिहार, उत्तर प्रदेश और हरियाणा से प्रसारित | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

अब रामभक्तों पर गोलियां नहीं बल्कि फूल बरसते हैं : योगी

कारसेवा जब भी चलेगी तो अब रामभक्तों के ऊपर गोलियों की नहीं बल्कि फूलों की वर्षा होगी

ओपन सर्च.ब्यूरो

अयोध्या। समाजवादी पार्टी (सपा) का नाम लिये बगैर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन आतताइयों ने रामभक्तों के ऊपर गोलियां चलवायी थीं वह आज लोकतंत्र की ताकत के आगे झुके हुए हैं। कारसेवा जब भी चलेगी तो अब रामभक्तों के ऊपर गोलियों की नहीं बल्कि फूलों की वर्षा होगी।

श्री योगी ने बुधवार को रामकथा पार्क में एक सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि राम ने सबको जोड़ा है। यही राम की ताकत है। यह सबके लिये सौभाग्य का अवसर है कि 2017 से दीपोत्सव के इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। इसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मार्गदर्शन एवं संतों का सहयोग रहा। देखते ही देखते यह दीपोत्सव दुनिया का विशेष आयोजन बन गया। भगवान राम के 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या आगमन पर दीपोत्सव से पूरा भारत जुड़ता है। यह अपने आप में एक बड़ा उत्सव है। हर एक मंदिर व धार्मिक नगरों से इस उत्सव को जोड़ा है। भावनाओं ने देश की तस्वीर बदल दी।उन्होने कहा कि राम मंदिर का शिलान्यास पांच अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया था। इससे पहले जब भी वह दीपोत्सव के कार्यक्रम में आते थे तो एक ही नारा यह गूंज रहा था कि योगी जी एक काम करो, मंदिर का निर्माण करो। वह नारा आज लोग भूल गये हैं लेकिन मैं नहीं भूला हूं। उस समय बोला था कि मंदिर की आधारशिला रखी जा रही है। आज भव्यता के साथ श्रीरामजन्मभूमि पर भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज ही के दिन ठीक 31 वर्ष पूर्व 30 अक्टूबर व 02 नवम्बर को 1990 को अयोध्या के निहत्थे रामभक्तों पर गोली चलवायी गयी थी। उस समय की तत्कालीन आततायी सरकार द्वारा लोगों को जय श्री राम नहीं बोलने दिया जा रहा था। योगी ने कहा कि लोकतंत्र की ताकत बहुत मजबूत होती है, जो उस दौरान रामभक्तों के ऊपर गोलियां चलवायी थीं वह आज लोकतंत्र की ताकत के आगे झुके हुए हैं। कारसेवा जब भी चलेगी तो अब रामभक्तों के ऊपर गोलियों की नहीं बल्कि फूलों की वर्षा होगी। राम ने भक्तों को जोड़ा, शोषितों वंचितों को गले लगाया।उन्होंने कहा कि आदर्श रामराज्य की परिकल्पना आज हम लोगों के सामने है। विगत साढ़े सात वर्षो के दौरान पीएम मोदी के नेतृत्व में जरूरतमंदों को आवास, शौचालय, बिजली का कनेक्शन, उज्जवला गैस मिला है। उन्होंने कहा कि पूरा देश और दुनिया कोरोना से त्रस्त है लेकिन मोदी के मार्गदर्शन में लोगों को भारत में कोरोना की टेस्टिंग, उपचार और राशन की व्यवस्था उपलब्ध कोरोना काल के दौरान करायी गयी। उन्होनें कहा कि कोरोना की वैक्सीन भारत में सभी लोगों को निःशुल्क दिया गया है। रामराज्य की परिकल्पना इसी से साकार हो रही है जिसकी हम कल्पना कर रहे थे।

प्रदेशवासियों को होली तक मिलेगा मुफ्त राशन

कोरोना संकट का सामना कर रहे 15 करोड़ प्रदेशवासियों को होली तक मुफ्त राशन मिलेगा। यह सुविधा पाने वाले अंत्योदय कार्डधारकों को प्रति माह 35 किलो ग्राम चावल, गेहूं के साथ दाल, खाद्य तेल, नमक और चीनी भी प्रदान की जाएगी। जबकि बीपीएल कार्ड धारकों को प्रति यूनिट पांच किलो ग्राम चावल, गेहूं के साथ दाल, खाद्य तेल और नमक प्रदान किया जाएगा। यह घोषणा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की। वे सरयू तट स्थित रामकथापार्क में पंचम दीपोत्सव का उद्घाटन करने के बाद विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने याद दिलाया कि कोरोना संकट को ध्यान में रख कर प्रधानमंत्री अन्न योजना के तहत गरीबों को मुफ्त राशन वितरण नवंबर तक प्रस्तावित था, किंतु उत्तर प्रदेश में यह योजना अगले वर्ष होली तक चलेगी। अपने उद्बोधन में उन्होंने 31 वर्ष पूर्व की घटना का उल्लेख भी किया। बताया कि 30 अक्टूबर और दो नवंबर 1990 की कारसेवा में रामभक्तों पर बर्बर लाठीचार्ज किया गया था और गोलियां चलाई गई थीं। तब जय श्रीराम बोलना पाप होता था, किंतु उन लोगों को आज केंद्र एवं प्रदेश में सरकार बनाने वाली रामभक्तों के मत की ताकत का एहसास हो गया है और वे अब रामभक्तों के सामने झुक रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, यही लोकतंत्र की ताकत है और सभी को साथ रखने तथा सभी का मंगल श्रीराम की विरासत है और श्रीराम सभी को दैहिक, दैविक एवं भौतिक तापों से मुक्त कर रामराज्य की आधारशिला रखते हैं। यह विरासत आज आगे बढ़ रही है।

ऑनलाइन बाजार में सजेंगी दिल्ली की दुकानें, सरकार बना रही है पोर्टल : सीएम केजरीवाल

स्टार्टअप भी अपने सामान को इस पोर्टल पर जाकर बेच सकता है और उसको बहुत बड़ा मौका मिलेगा

विजय कुमार.ओपन सर्च

दिल्ली के हर व्यापारी, उद्योगपति, दुकानदार व पेशेवर अपना प्रोडक्ट डिस्प्ले कर सकेगा, जिसे दुनिया देख सकेगी और उनका सामान पूरी दुनिया में बिक सकेगा

कोई भी घर बैठे अपने कम्प्यूटर या मोबाइल फोन पर किसी भी दुकान के अंदर जाकर उसकी सारी दुकान खंगाल सकेगा- अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। केजरीवाल सरकार दिल्ली के चहुंमुखी विकास को ध्यान में रखते दुनिया का पहला ऐसा वेब पोर्टल तैयार कर रही है, जहां दिल्ली का हर छोटा-बड़ा कारोबारी अपना प्रोडक्ट डिस्प्ले कर सकेगा और वह प्रोडक्ट दिल्ली व देश में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में बिक सकेगा। इस संबंध में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम एक 'दिल्ली बाजार' पोर्टल बना रहे हैं, जहां दिल्ली की सभी आर्थिक गतिविधियां और सेवाएं एक पोर्टल पर होंगी और वह पूरी दुनिया के सामने होंगी। दिल्ली के हर व्यापारी, उद्योगपति, दुकानदार व पेशेवर पोर्टल पर अपना प्रोडक्ट डिस्प्ले कर सकेगा और उनका सामान पूरी दुनिया में बिक सकेगा। आप घर बैठे ही अपने कम्प्यूटर या मोबाइल फोन पर किसी भी दुकान के अंदर जाकर उसकी सारी दुकान खंगाल सकेंगे।

इस पोर्टल के जरिए सामानों की किस्म-किस्म के वर्चुअल एग्जीविशन भी कर सकते हैं और उस प्रोडक्ट को दुनिया भर में ले जा सकते हैं। साथ ही, स्टार्टअप को भी अपने सामान को पोर्टल पर बेचने का बहुत बड़ा मौका मिलेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि पोर्टल के आने से दिल्ली की जीडीपी, आर्थिक गतिविधियां, रोजगार, टैक्स रेवेन्यू खूब तेजी से बढ़ेगा और दिल्ली की तरक्की तेजी से होगी। हमें उम्मीद है कि अगले साल अगस्त तक यह बन कर तैयार हो जाना चाहिए। मुख्यमंत्री श्री अरविंद केजरीवाल ने आज डिजिटल प्रेस कांफ्रेंस कर दिल्ली समेत पूरे देशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हम अपने दिल्ली के कारोबारियों, उद्योपतियों, व्यापारियों का काम बढ़ाने के लिए एक नई पहल करने जा रहे हैं। हम 'दिल्ली बाजार' के नाम से वेबसाइट तैयार कर रहे हैं, जिसमें दिल्ली के हर उद्योगपति, हर छोटी-बड़ी दुकान, हर सेवा प्रदाता और पेशेवर को उसमें स्थान मिलेगा। अगर कोई दुकान वाला है, तो उसकी दुकान में क्या-क्या प्रोडक्ट्स है, वह उस हर प्रोडक्ट को दिल्ली बाजार वेबसाइट पर डिस्प्ले कर सकता है। इसके जरिए आप अपनी सेवाएं दिल्ली के लोगों तक पहुचा सकते हैं। साथ ही, देश और दुनिया के लोगों तक पहुंचा सकते हैं। इस पोर्टल पर वर्चुअल बाजार तैयार किए जा रहे हैं। जैसे- दिल्ली में खान मार्केट है।

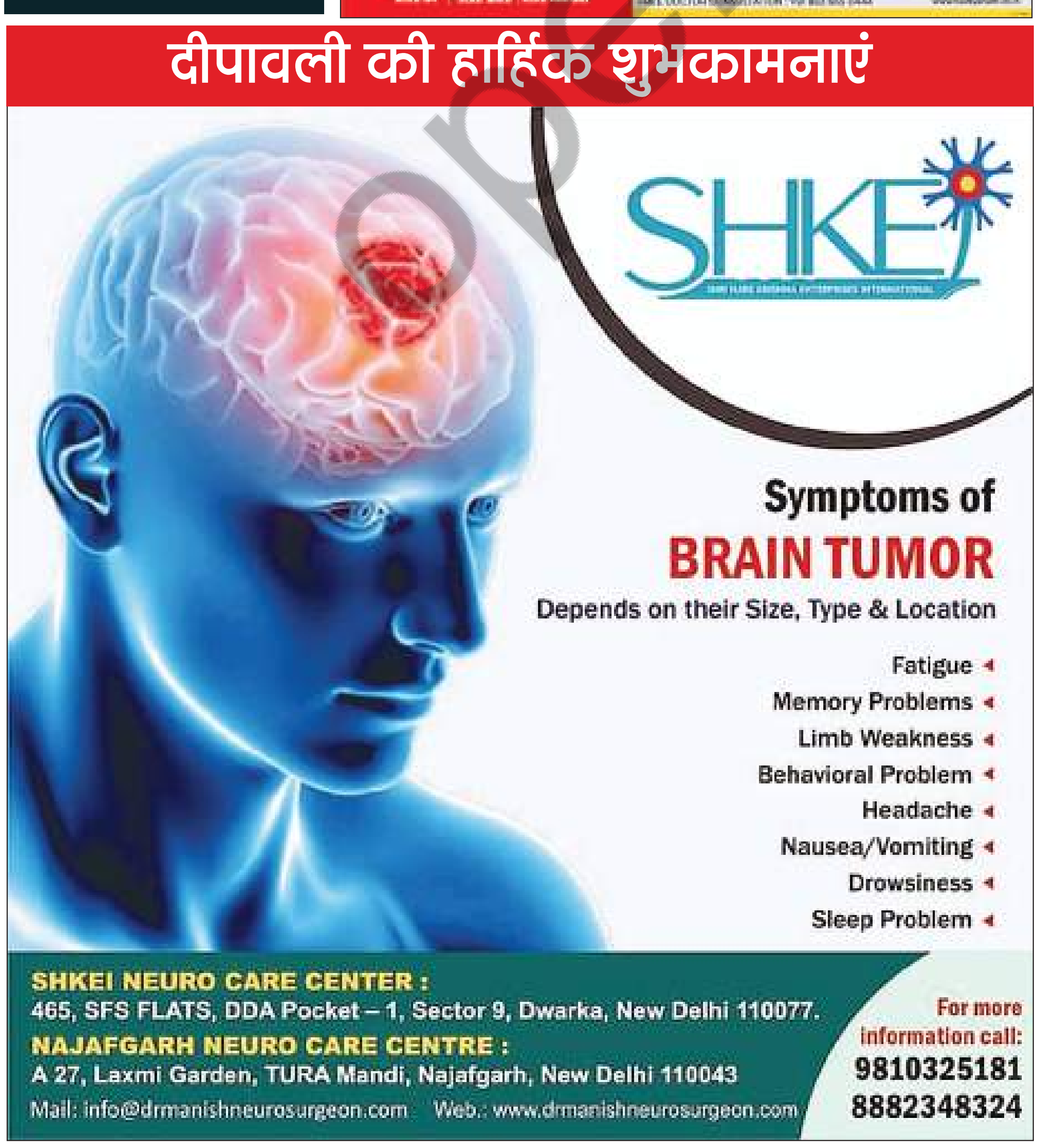

यूपी में भाजपा का कुशासन खत्म करेगी दिवाली : अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विश्वास जताया है कि यह दिवाली उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के कुशासन का अंत करेगी। उन्होंने धनतेरस, दिवाली और गोवर्धन पूजा पर लोगों को बधाई देते हुए कहा कि भारत के त्योहार सद्भाव, शांति, आपसी सहयोग के महत्व पर रोशनी डालते हैं और प्रेम और सौहार्द का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय त्योहार शांति का संदेश देने और समाज और राष्ट्र को समृद्धि के प्रकाश की ओर ले जाने के संकल्प का अवसर हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की दोषपूर्ण नीतियों ने किसानों, बेरोजगार युवाओं और गरीबों को एक अंधकारमय भविष्य की ओर धकेल दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दीवाली रोशनी का त्योहार है, जो लोगों के जीवन को रोशन करेगी और राज्य में कुशासन को समाप्त करेगी। अखिलेश यादव ने अधिकारियों की पोस्ट को स्थानांतरित करने और लोगों को गुमराह करने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा पर भी हमला किया। उन्होंने कहा, भाजपा अपने संकल्प पत्र (घोषणापत्र) में किए गए वादों को पूरा करने में विफल रही है जैसे किसानों की आय दोगुनी करना, बेरोजगार युवाओं को रोजगार और छात्रों को लैपटॉप देना। अब, वे यह मानने लगे हैं कि यूपी में 2022 के विधानसभा चुनाव वास्तव में 2024 में होने वाले चुनाव हैं और इसलिए लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि धान बिना बिके पड़े रहने से किसान खुद को असहाय महसूस कर रहे हैं। सरकार ने इसके लिए 1,940 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया है। नतीजतन, किसान बिचौलियों को अपनी उपज बहुत कम दरों पर बेचने के लिए मजबूर हो रहे हैं।

इस बीच, प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार शाम को मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) उत्तर प्रदेश से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपा, जिसमें 2022 के विधानसभा चुनावों के लिए मतदाता सूची तैयार करने में घोर विसंगतियों की ओर इशारा किया गया। प्रतिनिधिमंडल ने कुल नामों के तत्काल प्रकाशन और 16 जनवरी, 2020-21 और 31 अक्टूबर, 2020-21 के बीच मतदाता सूची में हटाए गए, जोड़े गए और बदलाव किए गए नामों की एक अलग सूची की मांग की। द में, सपा के प्रदेश अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा कि लगभग 16.42 लाख नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं या जोड़े गए हैं।

एक नज़र

अखिलेश को मिल रहा है आईएसआई से संरक्षण: आनंद स्वरूप शुक्ला

बलिया (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। अपने विवादित बयानों को लेकर अक्सर चर्चा में रहने वाले उत्तर प्रदेश के संसदीय कार्य राज्य मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला ने अब दावा किया है कि समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संरक्षण मिल रहा है। शुक्ला ने मंगलवार रात अपने आवास पर संवाददाताओं से बातचीत में अखिलेश द्वारा पिछले दिनों मोहम्मद अली जिन्ना को लेकर दिए गए कथित बयान के सिलसिले में पूछे गए सवाल पर कहा, ''अखिलेश को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से संरक्षण और सुझाव मिल रहे हैं। हो सकता है कि उन्हें इस संगठन से आर्थिक मदद भी मिल रही हो।'' शुक्ला ने दावा किया कि अखिलेश आईएसआई के इशारे पर ही जिन्ना का महिमामंडन कर रहे हैं। इससे पहले शुक्ला ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर पर भी आतंकवादी संगठनों से मदद लेने का आरोप लगाया था। राजभर की पार्टी का पिछली 27 अक्टूबर को सपा के साथ गठबंधन हुआ है। प्रदेश के संसदीय कार्य राज्य मंत्री ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान और तालिबान जो चाहते हैं अखिलेश वही बयान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आजाद भारत के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल से जिन्ना की तुलना करना निंदनीय है और अखिलेश को अपने बयान को लेकर माफी मांगनी चाहिए। गौरतलब है कि गत रविवार को सरदार पटेल की 146वीं जयंती के अवसर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हरदोई में एक जनसभा में कथित तौर पर कहा था कि सरदार पटेल, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू और जिन्ना ने एक ही संस्थान से पढ़ाई की और बैरिस्टर बने तथा उन्होंने भारत को आजादी दिलाने में मदद की और संघर्ष से कभी पीछे नहीं हटे।

दीपोत्सव से अयोध्या का विहंगम दृश्य देखेगी दुनिया: केशव मौर्य

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि राम मंदिर निर्माण का रास्ता साफ होने के बाद पहली बार अयोध्या में 51 दीपक जलाए गए थे जबकि 3 नवंबर को छोटी दीपावली के अवसर 12 लाख दीयों से राम नगरी अयोध्या जगमगाएगी। देश और दुनिया के लिए ये नजारा अद्भुत होगा। दीपोत्सव के जरिए पूरी दुनिया अयोध्या का विहंगम नजारा देखेगी। प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए ये बातें उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि देश दुनिया के करोड़ों लोगों की आस्था के केंद्र राम मंदिर निर्माण का सपना पीएम मोदी के कुशल नेतृत्व के चलते पूरा हो सका है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इस दीपावली अयोध्या का विहंगम दृश्य लोगों के लिए अद्भुत होगा। प्रदेश के 90 हजार गावों मिट्टी से तैयार दीयों से अयोध्या और सरयू नदी की किनारे रौशन होंगे। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के निर्माण का संकल्प भाजपा ने पूरा किया है। देश और प्रदेश की सरकार रामराज्य की परिकल्पना को साकार कर रही है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा यह दीपोत्सव असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। अयोध्या को उसके मूल स्वरूप को स्थापित करना हमारी सरकार का संकल्प है। उन्होंने कहा कि अयोध्या हमारे हृदय में है। यह हमारी कर्मस्थली रही है। यह पवित्र नगरी हमें सामाजिक मूल्यों के रक्षण संवर्धन की प्रेरणा देती है। गौरतलब है कि केशव प्रसाद मौर्य शुरू से ही विश्व हिन्दू परिषद के श्री अशोक सिंघल के साथ राम मंदिर निर्माण की मुहिम में शामिल रहे हैं।

बंदर को कुचलने पर बस चालक पर ढाई लाख रुपये का जुर्माना

लखीमपुर खीरी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में दुधवा टाइगर रिजर्व के कोर फॉरेस्ट एरिया में एक बंदर को कुचलने पर एक बस चालक पर 2.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। वन अधिकारियों ने कहा कि चालक ने भागने की कोशिश की लेकिन उसे हिरासत में ले लिया गया और बस को भी जब्त कर लिया गया। मालिक द्वारा जुर्माना भरने के बाद ही वाहन को छोड़ा गया। बस एक स्थानीय ट्रांसपोर्टर की है और यह लखीमपुर खीरी जिले के पलिया और गोला कस्बों के बीच दिन में कई बार चलती है। रेंज अधिकारी मनोज कश्यप ने कहा कि केवल जुर्माने का प्रावधान है क्योंकि दुर्घटना एक राज्य राजमार्ग पर हुई थी। अन्यथा, हम ड्राइवर को गिरफ्तार कर जेल भेज देते। जुर्माना हर वाहन पर भिन्न है।

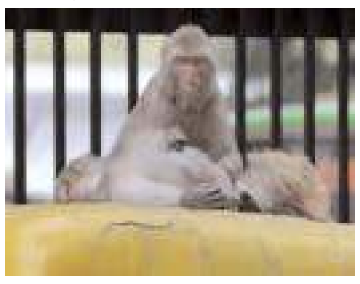

सूत्रों के अनुसार, बस 70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही थी, जहां अनुमेय सीमा 40 किमी प्रति घंटे है। अमूमन चेकपोस्ट पर तैनात कर्मचारी जंगल से गुजरने वाले वाहनों पर नजर रखते हैं। ट्रकों और बसों जैसे भारी वाहनों के प्रवेश बिंदु पर एक कागज की पर्ची जारी की जाती है। इसके बाद ड्राइवरों को 22 मिनट के भीतर जंगल पार करने की सलाह दी जाती है। इससे हर वाहन की गति पर नजर रखी जा सकेगी।

लखीमपुर खीरी जिले के विभिन्न वन क्षेत्रों में पिछले दो वर्षों में तेज रफ्तार वाहनों की चपेट में आने से आठ मगरमच्छों की मौत हो गई। पिछले साल नवंबर में गोला-लखीमपुर स्टेट हाईवे पर रिजर्व के बफर एरिया के पास हुए सड़क हादसे में एक युवा बाघिन की भी मौत हो गई थी। जुलाई 2020 में, गुजरात की एक पर्यटक बस कंपनी पर उसी वन रेंज में एक चित्तीदार हिरण को कुचलने के लिए 4.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। पिछले साल अक्टूबर में एक बंदर को कुचलने के लिए दिल्ली जाने वाले एक टेंपो यात्री पर 2 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था।

अज्ञात वाहन की टक्कर लगने से दो भाइयों की मौत

प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। प्रतापगढ़ जिले के लालगंज क्षेत्र में अज्ञात वाहन से टक्कर होने से मोटरसाइकिल सवार दो भाइयों की मौत हो गई। अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) रोहित मिश्रा ने बुधवार को बताया कि दो-तीन नवंबर की दरम्यानी रात को अंकित सिंह (32) अपने भाई हर्षित सिंह (28) के साथ लखनऊ से प्रतापगढ़ के अंतू थाना क्षेत्र स्थित पूरे अंतिम गांव में अपने घर दीपावली मनाने के लिए जा रहे थे। उन्होंने बताया कि रास्ते में लखनऊ-वाराणसी राजमार्ग पर स्थित लीलापुर पुलिस चौकी के नजदीक किसी अज्ञात वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दोनों भाई गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। मिश्रा ने बताया कि पुलिस ने इस सिलसिले में मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

पेट्रोल, डीजल की बढ़ती कीमतों, महंगाई से जनता त्रस्त: रालोद

मेरठ (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के नेता सुरेन्द्र शर्मा ने केंद्र और उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि आम जनता काफी मुश्किलें झेल रही है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई दिन नहीं है, जब डीजल-पेट्रोल के दाम नहीं बढ़ रहे हैं। (रालोद) के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक शर्मा ने कहा कि बीते दिनों व्यावसायिक सिलेंडर पर 266 रुपये बढ़ाकर इस सरकार ने आम लोगों की कमर तोड़ने का काम किया है। रालोद नेता ने आगामी दिनों में घरेलू गैस सिलेंडर के दाम और बढ़ने की आशंका जतायी। उन्होंने कहा कि डीजल-पेट्रोल के बढ़ते दामों का सीधा असर खाद्य पदार्थों की कीमत पर दिखाई दे रहा है, इस कारण महंगाई चरम सीमा पर है। ऐसे में जनता त्योहार कैसे मनाए? उन्होंने कहा, ''भाजपा नीत सरकार किसान और आम जनता के विकास को लेकर सिर्फ दावे करती है। लेकिन, महंगाई ने लोगों को कोरोना वायरस की तरह जकड़ रखा है।''

यूपी के 70 जिलों में नहीं मिले नए कोविड केस

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कोरोना के हालात नियंत्रण में है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार 41 जिलों में कोविड का भी मरीज नहीं है, तो 17 जिलों में 01-01 मरीज ही शेष हैं। बीते 24 घंटों में 1 लाख 38 हजार 271 नमूनों की जांच हुई, जहां गौतमबुद्ध नगर और प्रयागराज में 2-2 और बलरामपुर, बस्ती और गाजीपुर में 1-1 नए मरीज मिले। इसी अवधि में 10 मरीज स्वस्थ भी हुए। फिलहाल प्रदेश में कुल 102 कोरोना मरीज हैं। इसके साथ ही, दूसरे राज्यों की स्थिति को देखते हुए यूपी में सर्विलांस और जागरूकता अभियान तेज कर दिया गया है। मंगलवार को उच्चस्तरीय टीम-09 के साथ समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एग्रेसिव ट्रेसिंग, टेस्टिंग और त्वरित ट्रीटमेंट के साथ-साथ तेज टीकाकरण की नीति के अच्छे परिणाम मिले हैं। बीते 30 अप्रैल को यहां 3,10,786 कोरोना मरीज थे, लेकिन लगातार कोशिशों से आज यह संख्या महज 102 बची है, जबकि 16,87,165 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानपुर में अब तक हुई 750 से अधिक सैम्पल की जांच में जीका वायरस के 11 मरीज मिले हैं। ऐसे में सर्विलांस को और बेहतर करने की जरूरत है। डेंगू और डायरिया के मरीजों की संख्या में आई कमी का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री ने निगरानी समितियों को एक्टिव रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि मरीजों की पहचान करने और जरूरत के अनुसार सभी को बेहतर उपचार मुहैया कराने के लिए सभी प्रबंध किए जाएं। वहीं, त्योहारों को दृष्टिगत रखते हुए मुख्यमंत्री ने मास्क की अनिवार्यता को लेकर लोगों को जागरूक करने की भी जरूरत बताई। कोविड टेस्ट और टीकाकरण की देशव्यापी स्थिति में यूपी पहले पायदान पर बना हुआ है। प्रदेश में अब तक 13 करोड़ 17 लाख से अधिक कोविड वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं। 03 करोड़ 32 लाख से अधिक लोगों को टीके की दोनों डोज देकर कोविड का सुरक्षा कवर प्रदान कर दिया गया है। जबकि 09 करोड़ 85 लाख लोगों ने टीके की पहली डोज प्राप्त कर ली है।

टीकाकरण के लिए पात्र प्रदेश की कुल आबादी के 67 फीसदी लोगों ने पहली डोज प्राप्त कर ली है। सीएम के निर्देश पर अब पहले डोज के लिए ऑनलाइन स्लॉट बुक करने की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है। अब सीधे टीकाकरण केंद्र पर संपर्क कर वैक्सीन लगवाई जा सकती है। जनपद आगरा, अलीगढ़, अमेठी, अमरोहा, औरैया, अयोध्या, बदायूं, बागपत, बलिया, बहराइच, भदोही, बिजनौर, बुलंदशहर, चन्दौली, चित्रकूट, देवरिया, एटा, इटावा, गाजीपुर, गोंडा, हमीरपुर, हापुड़, हरदोई, हाथरस, जौनपुर, कानपुर देहात, कासगंज, कुशीनगर, महराजगंज, महोबा, मैनपुरी, मीरजापुर, प्रतापगढ़, संतकबीरनगर, शामली, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, सीतापुर, सोनभद्र, सुल्तानपुर और उन्नाव में कोविड का एक भी मरीज शेष नहीं है। यह जनपद आज कोविड संक्रमण से मुक्त हैं।

अलीगढ़ में एक शख्स से की गई मारपीट, जय श्री राम बोलने को किया मजबूर

अलीगढ़ (एजेंसी)। अलीगढ़ के एक गांव में जय श्री राम का नारा लगाने से इनकार करने पर दो लोगों ने एक मुस्लिम युवक के साथ कथित तौर पर मारपीट की और उसे लूट लिया। अंचल अधिकारी अतरौली एसपी सिंह ने बताया कि घटना के दो दिन बाद पीड़ित आमिर खान के पिता की शिकायत पर हरदुआगंज थाने में प्राथमिकी दर्ज की गयी है। सर्कल अधिकारी ने कहा कि रहीसुद्दीन ने यह नहीं बताया कि उसके बेटे को आरोपी देवेंद्र और उसके पिता राजू द्वारा नारे लगाने के लिए मजबूर किया गया था। पुलिस ने दावा किया कि दोनों पक्षों के बीच झड़प कपड़े की कीमत को लेकर हुए विवाद के बाद शुरू हुई।

आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 307 (हत्या का प्रयास) और 323 (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना) के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आमिर ने हालांकि दावा किया कि जब वह अपने पड़ोसी गांव नगला खेमा में कपड़े बेचने पहुंचे तो पिता-पुत्र की जोड़ी ने पहले उनसे उनका नाम पूछा, फिर उन्हें लाठियों से पीटा और उन्हें जय श्री राम का नारा लगाने के लिए मजबूर किया। उन्होंने इस घटना का एक वीडियो बनाया है। साथ ही आरोप लगाया है कि उन्होंने 10,000 रुपये और मोबाइल फोन भी छीन लिया। जब पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लिया, तो उन्होंने भारत माता की जय का नारा लगाना शुरू कर दिया और एक व्यक्ति पर पत्थर फेंके, जो उनकी गिरफ्तारी का वीडियो बना रहा था। अगस्त में भी एक मुस्लिम ई-रिक्शा चालक के साथ सार्वजनिक रूप से मारपीट की गई और कथित तौर पर जय श्री राम का नारा लगाने के लिए कहा गया, जबकि उसकी नाबालिग बेटी ने उसे बचाने की कोशिश की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। जून में एक अन्य घटना में, एक बुजुर्ग व्यक्ति अब्दुल सरद सैफी ने चार लोगों पर उसकी पिटाई करने, उसकी दाढ़ी काटने और गाजियाबाद में जय श्री राम का जाप करने के लिए कहने का आरोप लगाया।

कानपुर के कारोबारी की हत्या की सीबीआई जांच शुरू

कानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गोरखपुर में पुलिस छापे के दौरान कानपुर के एक व्यापारी की हत्या की जांच शुरु कर दी है। एजेंसी ने मंगलवार शाम मामला दर्ज किया था। एक महीने बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने केंद्र को पत्र लिखकर कानपुर के व्यवसायी मनीष गुप्ता की मौत की सीबीआई जांच की सिफारिश की। सीबीआई ने उत्तर प्रदेश पुलिस के उन जवानों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, जिन्होंने 27 सितंबर को गोरखपुर के एक होटल में छापेमारी के दौरान 38 वर्षीय प्रॉपर्टी डीलर के साथ कथित तौर पर मारपीट और उसकी हत्या की थी। जांच एजेंसी ने इंस्पेक्टर जगत नारायण सिंह, सब-इंस्पेक्टर अक्षय मिश्रा और विजय यादव का नाम लिया दर्ज किया है, और गोरखपुर के रामगढ़ ताल थाने के तीन अन्य पुलिसकर्मियों को मामले में आरोपी बनाया गया है। अब तक इस मामले की जांच राज्य पुलिस की विशेष जांच टीम (एसआईटी) कर रही थी।छह आरोपियों को सेवा से निलंबित कर दिया गया था। शुरूआत में फरार होने के बाद उन्हें अक्टूबर में गिरफ्तार कर लिया गया था। 1 अक्टूबर को राज्य सरकार के गृह विभाग ने एक ट्वीट में कहा कि सीबीआई जांच शुरू करने के लिए केंद्र को एक सिफारिश भेजी गई थी। विभाग ने कहा था कि मृतक की पत्नी को कानपुर विकास प्राधिकरण में नौकरी दिलाने के निर्देश दिए गए थे। इसमें कहा गया है कि परिवार को 40 लाख रुपये की वित्तीय सहायता दी भी दी जाएगी। गुप्ता के परिवार में उनकी पत्नी और चार साल का बच्चा है।

रिकॉर्ड 9 लाख दीयों से जगमगाएगी रामनगरी, दीपोत्सव कार्यक्रम के लिए अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अयोध्या में बुधवार शाम के लिए भव्य दीपोत्सव कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस बार यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सरकार ने अयोध्या में दीपोत्सव का भव्य कार्यक्रम आयोजित किया है। इस बीच, पवित्र शहर में सात स्तरीय प्रणाली के साथ व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अयोध्या में रामनगरी में इस बार लगभग 9 लाख दीपक जलाए जाएंगे। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की टीमइनकी गिनती करेगी। इस बार दीपोत्सव कार्यक्रम की गूंज पूरी दुनिया में गूंजने वाली है। अयोध्या के एसएसपी शैलेश पांडे ने कहा, शहर के बाहर से भीतरी घेरे में एक सात-परत सुरक्षा तंत्र तैनात किए गए है। अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस, विशेष अभियान समूह और विशेष सुरक्षा बल को तैनात किया गया है। हमने सुरक्षा की जांच करने और खुफिया जानकारी भेजने के लिए सिविल ड्रेस में कई पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया है। सरयू नदी घाटों पर जीवन रक्षक उपकरणों के साथ चालीस नावें तैनात की गई हैं। हाल ही में लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के एक आतंकवादी कमांडर द्वारा लिखित धमकी भरा पत्र मिलने के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है, जिसमें अयोध्या सहित 46 रेलवे स्टेशनों को उड़ाने की धमकी दी गई है। शहर की सीमाओं को सील कर दिया गया है और वीआईपी और आधिकारिक कारों को छोड़कर वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। एम्बुलेंस की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए वहां विशेष ड्यूटी अधिकारियों को तैनात किया गया है।

बुधवार को मुख्य कार्यक्रम से पहले मंगलवार को भव्य शोभा यात्रा का पूर्वाभ्यास किया गया। यात्रा का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा साकेत कॉलेज मैदान से हरी झंडी दिखाकर करेंगे। पूरे देश और सार्क देशों के लगभग 200 कलाकार शोभा यात्रा में भाग लेंगे, जिसके दौरान वे रामायण के दृश्यों का चित्रण करेंगे। राम कथा पार्क में विशिष्ट अतिथियों का स्वागत वैदिक मंत्रोच्चार से किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे, जबकि अयोध्या की परंपरा और सांस्कृतिक विरासत पर एक पुस्तक का भी विमोचन भी किया जाएगा। बुधवार शाम को 9 लाख से अधिक मिट्टी के दीये सरयू नदी के किनारे जलाकर एक नया विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

किसानों की हालत ने भाजपा के हर झूठ का पर्दाफाश किया: अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बागपत में कर्ज में डूबे एक किसान की कथित आत्महत्या को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला करते हुए बुधवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज में किसानों की हालत ने इस सरकार के हर तरह के झूठ का पर्दाफाश कर दिया है। अखिलेश ने 'नहीं चाहिए भाजपा' हैशटैग के साथ ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश के बागपत में कर्ज में डूबे किसान की आत्महत्या की घटना अत्यंत हृदय विदारक। भाजपा के राज में किसानों के ऐसे हालात सरकार के सभी झूठ का पर्दाफाश कर रहे हैं।

आखिर कब तक यह सब सहेगा प्रदेश का किसान?'' बागपत जिले के बिहारीपुर गांव में मंगलवार को चौधरी अनिल कुमार (45) नामक किसान ने फांसी लगाकर कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी, उनके परिजन के मुताबिक कुमार ने 10 लाख रुपए कर्ज लिया था, जिसे नहीं चुका पाने के कारण वह बहुत परेशान थे। हालांकि, कोतवाल अजय कुमार शर्मा ने कहा कि किसान के परिजन ने उन्हें यह नहीं बताया कि कुमार ने कोई कर्ज ले रखा था। अखिलेश ने एक अन्य ट्वीट में कहा, ''उत्तर प्रदेश के समस्त निवासियों, किसानों के शुभचिंतकों और सपा व अन्य सहयोगी पार्टियों से अपील है कि आज 'लखीमपुर किसान स्मृति दिवस' मनाएं। आज 'किसान स्मृति दीप' जलाएं और अन्नदाताओं का मान बढ़ाएं।'' सपा ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा था, ''उत्तर प्रदेश के समस्त निवासियों किसानों के शुभचिंतकों और सपा व अन्य सहयोगी पार्टियों से अपील है कि अब से हर महीने की तीन तारीख को लखीमपुर किसान स्मृति दिवस मनाएं और लोगों को भाजपा की क्रूरता की याद दिलाएं। इस तीन नवंबर को सभी किसानों की स्मृति में दीप जलाएं और अन्नदाताओं का मान बढ़ाएं।'' बीते तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी के तिकोनिया इलाके में हुई हिंसा में चार किसानों समेत आठ लोगों की मौत हुई थी।

यूपी पुलिस में सबसे बड़ी दारोगा भर्ती आनलाइन लिखित परीक्षा की तारीख घोषित

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी दारोगा भर्ती 2020-21 की आनलाइन लिखित परीक्षा की तारीख घोषित कर दी गई हैं। उत्तर प्रदेश के 13 जिलों में स्थापित 92 परीक्षा केंद्रों में 12 नवंबर से दो दिसंबर के बीच लिखित परीक्षा होगी। इस बार परीक्षा तीन चरणों में होगी और प्रतिदिन तीन पालियों में इम्तिहान कराया जाएगा। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती व प्रोन्नति बोर्ड ने तीन दिसंबर का दिन भी परीक्षा के लिए रिजर्व रखा है। यदि किसी दिन किसी केंद्र पर परीक्षा में कोई बाधा आई तो वह परीक्षा तीन दिसंबर को होगी।

उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस (पुरुष व महिला), पुरुषों के लिए प्लाटून कमांडर पीएसी व अग्निशमन द्वितीय अधिकारी के कुल 9534 पदों के लिए आनलाइन लिखित परीक्षा में सुरक्षा के भी कड़े बंदोबस्त होंगे। परीक्षा केंद्रों पर एसटीएफ की भी नजर होगी। डीजी भर्ती बोर्ड डा.आरके विश्वकर्मा ने बताया कि परीक्षा तीन चरणों में होगी। इनमें 12 से सात नवंबर के मध्य पहले चरण में, 19 से 24 नवंबर के मध्य दूसरे चरण में तथा 27 नवंबर से दो दिसंबर के मध्य तीसरे चरण में लिखित परीक्षा होगी। दारोगा भर्ती 2020-21 की आनलाइन लिखित परीक्षा प्रतिदिन तीन पालियों में कराई जाएगी। सुबह नौ से 11 बजे, दोपहर 12–30 बजे से 2–30 बजे तथा शाम चार से छह बजे के मध्य तीन पालियों में अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। सभी अभ्यर्थियों की आनलाइन लिखित परीक्षा की तिथि के संबंध में सूचना की पीडीएफ फाइल तीन दिनों में भर्ती बोर्ड की वेबसाइट पर उपलब्ध होगी। तीन दिन पहले पता चलेगा परीक्षा केंद्र – परीक्षा की सुरक्षा-व्यवस्था व सुचिता को लेकर भी भर्ती बोर्ड ने पूरी तैयारी की है। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र का जिला परीक्षा की तिथि से 10 दिन पूर्व तथा परीक्षा केंद्र का नाम-पता तीन दिन पूर्व भर्ती बोर्ड की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। अभ्यर्थियों के प्रवेशपत्र पंजीकरण पोर्टल पर तीन दिन पूर्व प्रदर्शित किये जाएंगे। जिस पर परीक्षा की तिथि व समय, परीक्षा केंद्र का नाम व पता दर्ज होगा। अभ्यर्थी पंजीकरण पोर्टल पर दिए गए लिंक पर अपनी पंजीकरण संख्या व जन्मतिथि अंकित कर अपना प्रवेशपत्र डाउनलोड कर सकते हैं। मूल आधार कार्ड लाना होगा अनिवार्य – भर्ती बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि आनलाइन लिखित परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को पहचान पत्र के रूप में मूल आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड तथा उसकी एक छायाप्रति साथ लानी होगी। छायाप्रति परीक्षा केंद्र पर जमा की जाएगी। पहचान पत्र के रूप में केवल आधार कार्ड ही स्वीकार होगा।

पटाखों को धर्म से जोड़कर 'प्रदूषण के खिलाफ युद्ध' को कमजोर करने की कोशिश : गोपाल राय

सभी राजनीतिक दलों से अपील है कि अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए दिल्ली वालों की जिंदगी से मत खेलिए : गोपाल राय

राजनीति के लिए बहुत से मुद्दे हैं और दिल्ली वालों ने सबको अवसर दिया है, आप भी काम की राजनीति करिए, लेकिन लोगों को सांस लेने दीजिए : गोपाल राय

विकास.ओपन सर्च

नई दिल्ली। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने दिल्ली में पटाखों की खरीद-बिक्री और इस्तेमाल पर लगाए गए प्रतिबंध का विरोध करने वालों को आज करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए पटाखों को धर्म से जोड़कर 'प्रदूषण के खिलाफ युद्ध' को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होने सभी राजनीतिक दलों से अपील करते हुए कहा कि अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षा के लिए दिल्ली वालों की जिंदगी से मत खेलिए। राजनीति के लिए बहुत से मुद्दे हैं और दिल्ली वालों ने सबको अवसर दिया है। आप भी काम की राजनीति करिए, लेकिन लोगों को सांस लेने दीजिए। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पूरी दिल्ली ने मिलकर यह लड़ाई लड़ी है और मौसम ने भी साथ दिया है, जिसकी वजह से पिछले कुछ वर्षों में दिवाली से एक दिन पहले दिल्ली का प्रदूषण स्तर सबसे बेहतर रहा है, इसे और बेहतर बनाने में सहयोग करिए। जनता के सहयोग का ही परिणाम रहा है कि दिल्ली को अपने हिस्से का प्रदूषण कम करने में सफलता मिल रही है। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि कल दिल्ली और पूरा देश हर बार की तरह दीपावली पर्व को बड़ी ही धूमधाम के साथ मनाने जा रहा है। पिछले कई वर्षों से दिवाली के अवसर पर बढ़ते प्रदूषण के कारण हम सभी लोग चिंचित भी रहते हैं। पिछले पांच साल के प्रदूषण के स्तर के आंकड़ों को अगर देखा जाए, तो पहली बार हम पिछले पांच साल के प्रदूषण के स्तर के सबसे बेहतर दिन में बैठे हुए हैं। एयर क्वालिटी इंडेक्स के मापदंड के अनुसार, 2017 में अक्टूबर के महीने में एक्यूआई का औसत 284 रहा। 2018 में यह 267 रहा, 2019 में 234, 2020 में 265 और पिछले एक महीने के दौरान एक्यूआई का औसत स्तर 173 है। एक्यूआई के स्तर में कमी आने के मुख्य दो कारण हैं। पहला, बारिश की वजह से भी इस पर असर पड़ा। साथ ही, मैं दिल्ली के लोगों को भी बधाई देना चाहता हूं कि पिछले एक डेढ़ महीने से दिल्ली के लोगों ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार के साथ मिलकर प्रदूषण के खिलाफ युद्ध में सहभागिता की है। चाहे वह एंटी डस्ट कैंपेन हो। हमने एंटी डस्ट कैंपेन के तहत सरकारी और प्राइवेट निर्माण एजेंसियों के साथ संवाद किया। हमने डीपीसीसी की मॉर्शल की संयुक्त टीम बनाई और पूरे दिल्ली में धूल प्रदूषण को रोकने के लिए कैंपेन चलाया। 7 अक्टूबर से शुरू इस कैंपेन में 30 टीमें डीपीसीसी और एसडीएम की टीमों ने दिल्ली के अंदर निगरानी का काम किया। अभी तक दिल्ली के अंदर 2500 निर्माण साइटों का टीमों ने निरीक्षण कर प्रदूषण के मानदंडों की जांच की।

हमें इस बात की खुशी है कि दो हजार से अधिक स्थानों पर निर्माण एजेंसियों ने प्रदूषण के खिलाफ युद्ध में अपनी सहभागिता दिखाई है और सभी मानदंडों का पालन किया है। हालांकि 406 स्थानों पर मानदंडों का उल्लंघन पाया गया और उन पर 1 करोड़ 23 लाख का जुर्माना उन पर लगाया गया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली के अंदर वाहनों के प्रदूषण को रोकने के लिए हमने 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ कैंपेन शुरू किया है। विभिन्न चौराहों पर दिल्ली सरकार के मंत्रियों और विधायकों और आरडब्ल्यूए की तरफ से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। हमें इस बात की खुशी है कि जनता की तरफ से भी इस कैंपेन में स्वैच्छिक सहयोग मिल रहा है और लोग सहयोग कर रहे हैं। दिल्ली के अंदर सरकार ने 'पटाखे नहीं, दीये जलाओं कैंपेन की शुरूआत की। पहली बार दिल्ली के सभी रजिस्टर्ड आरडब्ल्यूए, के साथ उस एरिया के एसडीएम ने 28 अक्टूबर को बैठक की थी। 29 अक्टूबर को मार्केट एसोसिएशंस के साथ बैठक की और 30 अक्टूबर को इन संगठनों ने अपने स्थानीय सदस्यों के साथ बैठक कर युद्ध, प्रदूषण के विरुद्ध अभियान में सहभागिता के लिए प्रेरित किया और पूरी दिल्ली के अंदर जन भागीदारी को बढ़ाया। साथ ही, इस मुहिम से युवाओं को जोड़ने के लिए हमने ऑनलाइन चैटबॉट लांच किया है, जिसमें आज दिल्ली के हजारों युवा प्रदूषण के खिलाफ मुहिम में लोगों को जागरूक कर रहे हैं। दिल्ली के अंदर पैदा होने वाली पराली को गलाने के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बायो डि-कंपोजर घोल के छिड़काव की शुरूआत की। पिछले साल हमने दो हजार एकड़ खेत में इसका छिड़काव किया गया था। जबकि इस बार 4 हजार एकड़ से अधिक खेतों मे छिड़काव के लिए लोगों ने आवेदन किया है। बारिश होने के कारण फसल के कटने का सिलसिला थोड़ा धीमा हो गया था, लेकिन अब तेज हो गया है।

एक नज़र

दिल्ली के दयालपुर इलाके में चाचा ने डंडे से भतीजे पर किया हमला, घायल

नई दिल्ली (एजेंसी) दयालपुर इलाके में घरेलू विवाद में एक शख्स ने अपने बीमार भतीजे को डंडे से पीट दिया। आरोप है कि चाचा ने अपने भतीजे को बेड से खींचा और उसे घसीटते हुए गेट तक ले गया। वहां रखे डंडे से भतीजे पर वार किए। परिवार के सदस्यों ने किसी तरह से युवक को बचाया। डंडे के वार से युवक की नाक पर गंभीर चोटें आई हैं। घायल हालत में पीड़ित देव वशिष्ट को जग प्रवेश चंद अस्पताल में भर्ती करवाया। पुलिस पीड़ित के बयान पर केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

वहीं अन्य मामले में दयालपुर इलाके में चोरों ने एक घर में सेंध लगा दी। चोर घर से नकदी और गहने लेकर भाग गए। पीड़ित भास्कर भट्ट की शिकायत पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार भास्कर भट्ट अपने परिवार के साथ दयालपुर में रहते हैं। वह कंप्यूटर इंजीनियर हैं। परिवार में पत्नी व उनका 12 वर्षीय बेटा है। वह सुबह काम पर चले गए, पत्नी भी किसी काम से बाहर चली गई। बेटा अपने कमरे में था। उसी दौरान किसी ने घर में सेंध लगा दी। अलमारी से दो लाख रुपये व सोने के गहने लेकर फरार हो गया। आनंद विहार बस अड्डा के बाहर बस के इंतजार में खड़े दंपती को डस्टर कार से अगवा कर जेवरात और नकदी लूटने में शामिल एक बदमाश को अपराध शाखा ने लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है।

लूटपाट के बाद दंपती को सुनसान जगह पर उतार दिया गया था। मामले में दो बदमाशों को पुलिस ने पहले गिरफ्तार कर लिया था। फरार तीन अन्य बदमाशों में एक को अपराध शाखा ने अब गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की तरफ से तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित है। डीसीपी अपराध शाखा के मुताबिक पकड़े गए बदमाश का नाम देवेंद्र प्रताप उर्फ महेंद्र फौजी है। वह आशियाना कालोनी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है।

आनंद विहार बस अड्डे से दंपती को लूटने वाला बदमाश लखनऊ से गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) आनंद विहार बस अड्डा के बाहर बस के इंतजार में खड़े दंपती को डस्टर कार से अगवा कर जेवरात और नकदी लूटने में शामिल एक बदमाश को अपराध शाखा ने लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया है। लूटपाट के बाद दंपती को सुनसान जगह पर उतार दिया गया था। मामले में दो बदमाशों को पुलिस ने पहले गिरफ्तार कर लिया था। फरार तीन अन्य बदमाशों में एक को अपराध शाखा ने अब गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली पुलिस की तरफ से तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित है।

डीसीपी अपराध शाखा मनोज सी के मुताबिक पकड़े गए बदमाश का नाम देवेंद्र प्रताप उर्फ महेंद्र फौजी है। वह आशियाना कालोनी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश का रहने वाला है। 26 मई, 2019 को उत्तर प्रदेश के महोबा निवासी मुन्ना लाल पत्नी के साथ आनंद विहार बस अड्डा के सामने खड़ा थे। वे सराय काले खां जाने के लिए बस की प्रतीक्षा कर रहे थे। तभी बाइक सवार दो बदमाश वहां आ धमके। उनमें एक ने अपना परिचय फौजी (सेना का जवान) के रूप में दिया। तभी अचानक एक सफेद रंग की डस्टर कार से उनके तीन अन्य बदमाश भी वहां आ गए। पांचों ने मिलकर दंपती को अगवा कर लिया। गन प्वाइंट पर चलती कार में दंपती से नकदी और जेवर लूटने के बाद बदमाश सुनसान जगह पाकर मयूर विहार इलाके में हाईवे पर उन्हें उतार दिया था। उसी दौरान उस होकर गुजर रहे पीसीआर कर्मियों को आवाज लगाकर दंपती ने उन्हें रोका और आप बीती बताई।

पुलिसकर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए कार सवार बदमाश रोहित शर्मा और अतुल को गिरफ्तार कर लिया था। वारदात में शामिल देवेंद्र प्रताप, मनोज कुमार और राकेश कुमार गिरफ्तारी से बच रहे थे। पिछले साल तीन मार्च को अदालत ने तीनों को भगोड़ा घोषित कर दिया था। इसके साथ ही पुलिस आयुक्त ने तीनों पर 50-50 हजार रुपये का इनाम घोषित कर दिया था। एसीपी अरविंद कुमार और इंस्पेक्टर अरुण सिंधु के नेतृत्व में एएसआई मनोज, सुभाष, चंद्र प्रकाश, दिनेश सिंह, प्रमोद कुमार, हवलदार अवधेश शर्मा और सिपाही कुलदीप, जीतेंद्र की टीम ने तकनीकी जांच से देवेंद्र प्रताप के बारे में पता लगाकर दिल्ली और यूपी के कई संभावित ठिकानों पर तलाशी ली।

मामूली विवाद में बदमाशों ने बीच सड़क पर युवक पर चाकुओं से किया वार

नई दिल्ली (एजेंसी) जैतपुर थाना क्षेत्र के भगत सिंह चौक के पास मामूली विवाद में बदमाशों ने बीच सड़क पर 21 वर्षीय युवक को चाकुओं से गोद दिया। युवक पर हमला करने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घटना के बाद स्वजन ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को जानकारी मिली कि युवक को एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार 30 अक्टूबर को जैतपुर गांव का रहने वाला कुलदीप सिंह अपने ही घर से बाजार की तरफ जा रहा था। इसी दौरान सड़क से जा रहे पहचान के ही युवकों से उसका कंधा टकरा गया।

इससे दोनों में झड़प हो गई। झगड़े के बीच में ही युवकों ने चाकू से कुलदीप पर चार वार किए। चाकू के वार से कुलदीप जमीन पर गिर गया और आरोपित मौके से फरार हो गए। राहगीरों ने पीड़ित के परिवार को सूचना दी। स्वजन ने घायल को एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है, जहां गंभीर हालत में उसका इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एम्स ट्रामा सेंटर से मिली जानकारी पर टीम घायल का बयान लेने के लिए अस्पताल पहुंची, लेकिन गंभीर हालत की वजह से वह अपना बयान दर्ज नहीं करा सका है। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर लिया है। वहीं, आरके पुरम थानाक्षेत्र में गश्त के दौरान पुलिस टीम ने एटीएम का ताला तोड़ने का प्रयास कर रहे बदमाश को गिरफ्तार किया है।

आरोपित की पहचान अश्वनी कुमार के रूप में की गई है। आरोपित के पास से गैस कटर स्क्रू ड्राइवर और अन्य उपकरण बरामद किए गए हैं। जानकारी के अनुसार आरकेपुरम थाना पुलिस गश्त पर थी। इस दौरान सेक्टर-12 मार्केट के पास ओवरसीज बैंक एटीएम बूथ में युवक दिखाई दिया। वह एटीएम तोड़ने का प्रयास कर रहा था। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक से एटीएम तोड़ने के कई उपकरण बरामद कर लिए। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम ने आरोपित की गिरफ्तारी के साथ ग्रीन पार्क इलाके में हुई एटीएम तोड़ने की घटना समेत सात मामलों को सुलझाने का दावा किया है, लेकिन आरोपित से गैस कटर, पेचकस तथा अन्य उपकरण के अलावा कुछ भी बरामद नहीं किया जा सका है।

दिल्ली-एनसीआर में पटाखों की खरीद-बिक्री पर दिल्ली पुलिस और एसडीएम की कड़ी नजर, रहें सावधान

नई दिल्ली (एजेंसी) दीपावली पर पटाखों की खरीद-बिक्री और इसके इस्तेमाल पर पूरी तरह रोक सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली पुलिस और सभी एसडीएम कड़ी नजर रखेंगे। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि पटाखे से प्रदूषण रोकने के लिए पुलिस और एसडीएम को 24 घंटे सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। खासतौर से दिल्ली के बार्डर एरिया में विशेष सतर्कता बरती जाएगी। उन्होंने यह भी बताया कि एंटी क्रैकर अभियान के तहत अभी तक दिल्ली पुलिस ने 12,957 किलो पटाखे जब्त किया है और 32 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने बताया कि दिल्ली सरकार ने 27 अक्टूबर से पटाखे नहीं, दीया जलाओ अभियान शुरू किया हुआ है। पूरी दिल्ली में कहीं भी पटाखों की खरीद बिक्री और जलाने की खबर आती है तो दिल्ली पुलिस को 112 नंबर पर फोन करके सूचना दी जा सकती है, जिसके आधार पर दिल्ली पुलिस उचित कार्रवाई करेगी।

पुलिस के साथ-साथ एसडीएम की टीम भी इस अभियान में शामिल रहेगी। उधर दक्षिणी दिल्ली की अमर कालोनी थाना पुलिस ने गोगी गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपित सगे भाई हैं। आरोपित की पहचान सनलाइट कालोनी के रहने वाले कौशल मेहता उर्फ चिन्नू और कुणाल मेहता उर्फ मिट्ठू के तौर पर की गई है। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने मैगजीन, दो पिस्तौल और 30 कारतूस जब्त किए हैं। आरोपित अपना गिरोह बनाने की फिराक में थे। इसके लिए हथियार और कारतूस जुटा रहे थे।

स्टेशनों पर उमड़ रही भीड़ और व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई अधिकारियों की तैनाती, समस्या हो तो करें संपर्क

स्टेशन पर व्यवस्था बनाने में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए नई दिल्ली स्टेशन पर अस्थायी मिनी कंट्रोल रूम बनाया गया है। आपसी सामंजस्य के लिए कंट्रोल रूम में परिचालन, वाणिज्य, सुरक्षा, यांत्रिक, बिजली और सिविल विभाग के कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

नई दिल्ली (एजेंसी) रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों की भीड़ को संभालने के लिए रेल प्रशासन द्वारा जरूरी कदम उठाए गए हैं। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, आनंद विहार टर्मिनल, पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन तथा हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन पर भीड़ और व्यवस्था पर नजर रखने के लिए अधिकारियों की तैनाती की गई है। महाप्रबंधक और मंडल रेल प्रबंधक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी इन स्टेशनों का दौरा करके व्यवस्था की जांच कर रहे हैं।

स्टेशन पर व्यवस्था बनाने में किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए नई दिल्ली स्टेशन पर अस्थायी मिनी कंट्रोल रूम बनाया गया है। आपसी सामंजस्य के लिए कंट्रोल रूम में परिचालन, वाणिज्य, सुरक्षा, यांत्रिक, बिजली और सिविल विभाग के कर्मचारी तैनात किए गए हैं। किसी भी तरह की परेशानी होने पर कंट्रोल रूम के जरिये तत्काल संबंधित विभाग को सूचना भेज दी जाती है। यह कंट्रोल रूम सुबह छह बजे से रात 12 बारह बजे तक काम कर रहा है। बीमार यात्रियों को समय पर उपचार मिल सके, इसके लिए स्टेशनों पर प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की गई है। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक और 16 पर चिकित्सा बूथ बनाए गए हैं। डाक्टर और पैरा मेडिकल कर्मचारी तैनात किए गए हैं। स्टेशन पर 24 घंटे एंबुलेंस रखने का निर्देश दिया गया है। रेलवे स्टेशनों पर नजदीक के रेलवे अस्पतालों के साथ ही अन्य सरकारी और निजी अस्पतालों की सूची और टेलीफोन नंबर उपलब्ध कराया गया है, ताकि बीमार यात्रियों को इलाज कराने में परेशानी नहीं हो। उधर दक्षिणी दिल्ली के जैतपुर थाना क्षेत्र के भगत सिंह चौक के पास मामूली विवाद में बदमाशों ने बीच सड़क पर 21 वर्षीय युवक को चाकुओं से गोद दिया। युवक पर हमला करने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घटना के बाद स्वजन ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को जानकारी मिली कि युवक को एम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। जानकारी के अनुसार 30 अक्टूबर को जैतपुर गांव का रहने वाला कुलदीप सिंह अपने ही घर से बाजार की तरफ जा रहा था। इसी दौरान सड़क से जा रहे पहचान के ही युवकों से उसका कंधा टकरा गया।

इससे दोनों में झड़प हो गई। झगड़े के बीच में ही युवकों ने चाकू से कुलदीप पर चार वार किए। चाकू के वार से कुलदीप जमीन पर गिर गया और आरोपित मौके से फरार हो गए। राहगीरों ने पीड़ित के परिवार को सूचना दी। स्वजन ने घायल को एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है, जहां गंभीर हालत में उसका इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एम्स ट्रामा सेंटर से मिली जानकारी पर टीम घायल का बयान लेने के लिए अस्पताल पहुंची, लेकिन गंभीर हालत की वजह से वह अपना बयान दर्ज नहीं करा सका है। पुलिस ने मामले में हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

दिल्ली के बाजारों में दीवाली की खरीदारी करने उमड़ी लोगों की भीड़

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली के बाजारों में छोटी दीवाली के दिन मुख्य बाजारों में लोगों की काफी भीड़ रही। दीवाली की खरीदारी करने चक्कर में ज्यादातर लोगों ने कोरोना प्रोटोकाल का पालन नहीं किया। बिना मास्क लगाए ही लोग बाजार में पहुंचे। जिसकी कई वीडियो सोशल मीडिया के जरिए सामने आई हैं। बुधवार को दिल्ली के सरोजनी नगर मार्केट, लाजपत नगर मार्केट, सदर बाजार, कमला नगर, करोल बाग, सीमापुरी, द्वारका,पालिका बाजार आदि में खरीदारी करने के लिए लोगों का सैलाब उमड़ पड़ा। हालांकि बाजारों में व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात था। सीमापुरी मार्केट में खरीदारी करने आई सुनीता सक्सेना ने बताया कि पिछले साल दीवाली का त्योहार कोरोना महामारी के चलते फीका रह गया था। लेकिन इस बार त्योहार को पूरी धूमधाम से मनाया जाएगा। वहीं, दुकानदार हरीश भाटी ने बताया कि कोरोना को ध्यान में रखते हुए बाजार में लोगों की भीड़ है। लेकिन लोगों को मास्क लगाकर खरीदारी करने के लिए कहा जा रहा है। तीन दिन से लगातार सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। दिल्ली के पहाड़गंज इलाके में भी बड़ी तादाद में लोग खरीदारी करने के लिए बाजार पहुंचे। लाजपत नगर मार्केट के दुकानदारों का कहना है कि पिछले दो साल में इतनी भीड़ बाजार में देखने को नहीं मिली। काफी लंबे समय बाद मार्केट में चहल-पहल देखने को मिली है। इस बार दीवाली पर अच्छा खासा मुनाफा होने की उम्मीद है। दुकानदार रोहिताश गुप्ता ने बताया कि लोगों से बार-बार सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करने की अपील की जा रही है।

डीएसजीएमसी के नवनिर्वाचित सदस्यों की जल्द बुलाई जाएगी बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी) लाटरी से चुने जाने वाले दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के दूसरे नामित सदस्य को लेकर अब तक स्थिति स्पष्ट नहीं है। बताया जा रहा है कि जल्द ही इसे लेकर डीएसजीएमसी के नवनिर्वाचित सदस्यों की बैठक बुलाई जाएगी। दिल्ली के पंजीकृत गुरुद्वारा सिंह सभा के अध्यक्षों में से दो नामित सदस्यों का चुनाव लाटरी से होता है। पिछले दिनों गुरुद्वारा निदेशालय ने गुरुद्वारा सिंह सभा सफदरजंग एन्क्लेव के अध्यक्ष मोहिंदर सिंह को नामित सदस्य घोषित किया था। नामित सदस्यों के चुनाव के लिए नौ सितंबर को संगत द्वारा चुने हुए सदस्यों की बैठक बुलाई गई थी। उस दिन गुरुद्वारा निदेशालय द्वारा जारी पंजीकृत गुरुद्वारा सिंह सभा के अध्यक्षों के नाम की सूची पर आपत्ति होने पर 24 सितंबर को फिर से बैठक बुलाई गई थी। उस दिन लाटरी से पांच नाम निकाले गए, लेकिन सहमति नहीं बन सकी थी।

दिल्ली के 500 स्थानों पर लगेंगे 35 मीटर ऊंचे तिरंगे, 104 करोड़ रुपए मंजूर

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली सरकार ने राजधानी में 500 स्थानों पर 35 मीटर ऊंचे तिरंगे लगाने के लिए 104 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं। देश की आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने के लिए दिल्ली सरकार के देशभक्ति बजट के तहत दिल्ली लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा ऊंचे तिरंगे लगाने की परियोजना शुरू की गई है।

500 तिरंगों में से पांच तिरंगे पहले ही लगाए जा चुके हैं। शेष तिरंगों को अगले साल 26 जनवरी तक लगाए जाने की संभावना है। पीडब्ल्यूडी के विशेष सचिव शशि कौशल ने कहा कि पीडब्ल्यूडी के प्रधान इंजीनियर के प्रस्ताव के अनुसरण में दिल्ली के 500 विभिन्न स्थानों पर 35 मीटर ऊंचे मस्तूल वाले तिरंगों की परियोजना के लिए 104.37 करोड़ रुपए की मंजूरी दी गयी है। दिल्ली सरकार ने मार्च में देशभक्ति पर आधारित अपने वार्षिक बजट की घोषणा की थी और इसे देशभक्ति बजट नाम दिया था। इसके तहत राजधानी में 500 स्थानों पर ऊंचे तिरंगे लगाने के लिए 45 करोड़ रूपए आवंटित किए गए। अभी पूर्वी किदवई नगर, रानी बाग, पूर्वी विनोद नगर, कालकाजी और द्वारका में ऐसे तिरंगे लगाए गए हैं। ये तिरंगे कनाट प्लेस में लगे 200 फुट ऊंचे तिरंगे की तर्ज पर लगाए जाएंगे। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे तिरंगे इस तरह से लगाए जाएंगे कि हर दो से तीन किलोमीटर पर कम से कम एक तिरंगा दिखाई दे। उन्होंने कहा कि ऐसे राष्ट्रीय ध्वज सार्वजनिक स्थानों जैसे बाजारों, पार्कों, मैदानों, बड़े स्कूल भवनों, आवासीय परिसरों में लगाए जाएंगे। शेष 495 स्थानों पर झंडे लगाने के लिए स्थानों की पहचान की जा रही है और यह परियोजना 26 जनवरी, 2022 तक पूरी हो जाएगी।

एमबीए पास इनामी ड्रग माफिया ने घर में ही लगा लिया ड्रग बनाने का प्लांट

नई दिल्ली (एजेंसी) बाहरी उत्तरी जिला पुलिस के नारकोटिक्स दस्ते ने ऑपरेशन स्पाइडर के तहत नशा बेचने वालो की कमर तोड़ रखी है। इस ऑपरेशन के तहत छोटे से छोटे से लेकर बड़े अपराधियों पर शिकंजा कसा जा रहा है।

इसी ऑपरेशन में सफलता की एक और कड़ी जुड़ गयी है और नारकोटिक्स दस्ते ने उच्च गुणवत्ता की 6 किलो हेरोइन बरामद की है जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाज़ार में कीमत 18 करोड़ रूपए आंकी गयी है। करीब 2 हफ्ते पहले ही इसी नारकोटिक्स दस्ते ने एक किलो हेरोइन पकड़ी थी जिसकी कीमत 2 करोड़ रूपए थी। बरामदा हेरोइन के साथ 2 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है जिनमे पकड़े गए शख्स का नाम आसिम (19 वर्ष, बरेली, उत्तर प्रदेश) है जो ड्रग्स किंग के नाम से मशहूर तैमूर खान उर्फ भोला के भाइयों वासिम और सलमान का गुर्गा है। दूसरे शख्स का नाम वरुण (निवासी मुकुंदपुर ,उम्र 28 साल) है जो दिल्ली में सुल्तानपुरी के ड्रग माफिया दिनेश का सप्लायर है। पूछताछ से मालूम चला है कि ड्रग्स किंग तैमूर खान उर्फ भोला 9 मुकदमों में वांछित था और उसे दिल्ली पुलिस की नारकोटिक्स सेल ने सितम्बर 2021 में सीलमपुर दिल्ली से गिरफ्तार किया था और उस पर 1.5 लाख रूपए का इनाम था।

भोला ने एमबीए किया हुआ है और वह बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करना चाहता था लेकिन कुछ आर्थिक तंगी की वजह से उसने अपराध की राह पकड़ ली और ड्रग सप्लाई करने लगा। भोला कुछ जरुरतमंद लोगों की पैसों से मदद कर देता था जिससे उसने अपनी छवि रॉबिनहुड के तौर पर बना ली थी लेकिन उसी छवि की आड़ में यह अपने गोरखधंधे को अंजाम देता था। जब भी पुलिस भोला की तलाश में छापेमारी करती तो इसके द्वारा पाले हुए गुर्गे इसको पहले ही सूचना दे देते और यह फरार हो जाता।

सम्पादकीय
ओपन सर्च

हे दीपावली! तू 'महंगाई' से भर सबकी झोली

दीपावली पर बेचारे कबाड़ीलाल के चेहरे की रंगत गायब थी। उनकी जेब के साथ चेहरे का भी दिवाला निकल रहा था। बढ़ती महंगाई ने उन्हें इतना परेशान कर दिया था कि मानो सर्जिकल स्ट्राइक पाकिस्तान पर न होकर सीधे उन्हीं पर होने वाली है। खैनी होठ के नीचे चापते हुए बोले भैया खबरीलाल, महंगाई से जीना मुश्किल हो चला है। चहुँओर महंगाई का सेंसेक्स टॉप पर है। जो उठ रहा वह गिरने का नाम नहीं ले रहा, जबकि जो गिरा है वह उठ नहीं रहा। कबाड़ीलाल जी आप बेमतलब बात का बतंगड़ बनाते हो।दिवाली पर तो आपकी बल्ले-बल्ले है। साफ-सफाई के दौरान लोग घरों का कबाड़ इसी पुनीत पर्व पर बाहर निकालते हैं और आप उस कबाड़ को खरीद कर मालामाल होते हैं, फिर भी आप कहते हैं कि महंगाई है।

आप भी विरोधियों की तरह एकसूत्री कार्यक्रम में लगे हैं। कबाड़ीलाल जी, आप पूरी तरह विपक्ष के हाथ का खिलौना बन गए हैं। दीपावली पर बजारबाद का शोर आपको शायद सुनाई नहीं दे रहा है। टीवी से लेकर अखबारों तक में बम्पर ऑफर का दौर चल रहा है। 'बाय वन गेट थ्री' का जमाना है। ऑनलाइन से लेकर खुले बाजार तक लूट मची है। लेकिन आप हीरोइन और क्रूज में फंसे हैं। उधर नजर मत डालिएगा वरना एनसीबी के चलते आप बीड़ी कि फूँक भी नहीं मार सकते। क्योंकि उसका धुँवा नशीला होता है, जिसकी जद में आने से अनगिनत युवा धूम्रपान के आदि हो सकते हैं।

> दीपावली पर बजारबाद का शोर आपको शायद सुनाई नहीं दे रहा है। टीवी से लेकर अखबारों तक में बम्पर ऑफर का दौर चल रहा है। 'बाय वन गेट थ्री' का जमाना है। ऑनलाइन से लेकर खुले बाजार तक लूट मची है। लेकिन आप हीरोइन और क्रूज में फंसे हैं। उधर नजर मत डालिएगा वरना एनसीबी के चलते आप बीड़ी कि फूँक भी नहीं मार सकते। क्योंकि उसका धुँवा नशीला होता है, जिसकी जद में आने से अनगिनत युवा धूम्रपान के आदि हो सकते हैं। कई लोगों को फेफड़ों का संक्रमण हो सकता है।

कई लोगों को फेफड़ों का संक्रमण हो सकता है। देखिए धुएं की वजह से ही तो पराली और पटाखे पर प्रतिबन्ध लगाना पड़ा है। धुँवे की वजह से ही तो बेचारी एनसीबी क्रूज तक धमक पड़ी। क्योंकि क्रूज पार्टी से स्मोकिंग के बाद जो धुँवा निकलता वह समुद्री पर्यावरण को नुकसान पहुँचता सकता था। समुद्री जलजीव भी नशे के आदि हो सकते थे, लिहाजा एनसीबी को सतर्कता बरतनी पड़ी। लेकिन कबाड़ीलाल जी आप जैसे लोग भी इस राष्ट्रीय हित के फैसले पर सवाल उठा रहें हैं। देखिए टीवी वाले कितनी ईमानदारी से इस पर डिबेट कर रहे हैं। कबाड़ीलाल जी आप बेवजह महंगाई को बदनाम करते हैं। अब आप बताइए पेट्रोल के दाम में तो अपनी टीम इंडिया निपट गयीं। अभी आपको महंगाई का नशा ही चढ़ा है। इतना सस्ता टी-20 का मजा आपको कहाँ मिलेगा। यह नायाब दीपावली का तोहफा है। खबरीलाल, अब हम आपको क्या बताएं। महंगाई का आलम यह है कि आग लगाना भी मुश्किल हो गया है। सुना है कि माचिस की तीलियों के दाम भी डेढ़ दशक बाद दोगुने हो चले हैं। कलयुग में हनुमान जी को लंका जलानी होंगी तो कैसे जलाएंगे। क्योंकि पेट्रोल के दाम जहाँ सेंचुरी पार हैं वहीं केरोसीन भी सरकार ने बंद कर दिया है।

फिर लंका कैसे जलेगी। कबाड़ीलाल जी, यह समस्या हनुमानजी और लंका वालों की है आप बिलावजह क्यों परेशान होते हैं।महंगाई के मुद्दे का आप धार्मिक और अंतरराष्ट्रीय करण कर रहें हैं। कबाड़ीलाल ने कहा देखिए, लोकतंत्र में सभी के अधिकारों की चिंता करनी चाहिए। आखिर हनुमानजी को भी महंगाई का सामना करना पड़ेगा। कबाड़ीलाल जी अपने देश में लोग माचिस के बैगर भी आग लगा देते हैं। उनकी जुबान ही माचिस का काम करती है। कभी लाख प्रयास के बाद भी आग नहीं लगती और कभी आग जंगल की आग की तरह फैलती है।वैसे भी हमारे देश में आग लगाने वालों की कमी नहीं है। आप जैसे लोग तो सरकार के हर फैसले के खिलाफ आग उगलते हैं। भले यह आग माचिस, पेट्रोल और एलपीजी से लगने के बजाय जुबान से लगती हो। कबाड़ीलाल जी, वैसे भी दीपावली के बाद से ठंड अपने रौ में आ जाती है, उस दौरान लोगों को आग की सख्त जरूरत होती है। फिर तो आग जलनी चाहिए वह तेरे सीने में जले या मेरे। बनवारीलाल जी, जब आपकी ऐसी सद्बुद्धि है तो हम आपको कितना समझाएं। आप महंगाई के प्रेम में नख से शिख तक डूब हैं। ईश्वर आपको पेट्रोल की उमर तक पहुंचाए। आपकी कीर्ति पांच किलो अनाज के झोले की तरह घर-घर पहुंचे। रुपए की तरह आप दिन-दूना और रात चौगुना की गति से लुढ़कें। जीडीपी की तरह जमींन में धंस जाएं। कोरोना से भी अधिक तेजगति से महंगाई का संक्रमण फैलाएं। आप की यश और कीर्ति एलपीजी की तरफ बढ़े। बनवारीलाल जी कितना भी हो आप हमारे पड़ोसी हैं, फिर इस दीपावली हम आपको महंगाई जैसी बद्दुआ नहीं दे सकते।

पटाखों पर पाबंदी से प्रदूषण रोकने का पाखंड

पीयूष सिंह

बड़े पैमाने पर जो यह प्रचार किया गया कि दीपावली के दौरान पटाखों और आतिशबाजी के इस्तेमाल से प्रदूषण होता है, उसका ही परिणाम है उन पर प्रतिबंध। दिल्ली में प्रदूषण नियंत्रण समिति ने अगली एक जनवरी तक पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। सुप्रीम कोर्ट का यह आदेश कि केवल 'ग्रीन क्रैकर्स्य का ही उत्पादन और बिक्री होनी चाहिए, अपनी जगह बिल्कुल सही है। प्रदूषण रोकने के लिए जो कदम आवश्यक हो, उठाए जाने चाहिए, परंतु एक बहुत सादा और सरल प्रश्न है कि यदि कोई मोटा व्यक्ति दुबला होना चाहता है तो क्या साल में एक दिन उपवास करने से दुबला हो जाएगा या उसे साल भर अपने खाने-पीने पर नियंत्रण रखना पड़ेगा? समझने की बात है, अगर हमें किसी समस्या का दूरगामी और स्थायी समाधान ढूंढना है तो हमें उस पर हरसंभव तरीके से निरंतर प्रहार करना होगा। यह जान लेना समीचीन होगा कि अन्य देशों में क्या प्रचलन है? असलियत यह है कि दुनिया के अधिकांश देशों में नववर्ष के आगमन पर, स्वतंत्रता दिवस पर और अन्य महत्वपूर्ण मौकों पर आतिशबाजी और पटाखे बड़े पैमाने पर छोड़े जाते हैं। आस्ट्रेलिया के सिडनी शहर में नववर्ष 2020 के अवसर पर 58 लाख डालर आतिशबाजी और पटाखों पर खर्च किए गए, जिसमें करीब 8,000 किलोग्राम की आतिशबाजी छोड़ी गई। अमेरिका के डिज्नी मनोरंजन स्थलों में प्रतिवर्ष करीब पांच करोड़ डालर की आतिशबाजी जलाई जाती है और करीब 40,000 किलोग्राम पटाखे छोड़े जाते हैं।

> प्रदूषण रोकने के लिए जो कदम आवश्यक हो, उठाए जाने चाहिए, परंतु एक बहुत सादा और सरल प्रश्न है कि यदि कोई मोटा व्यक्ति दुबला होना चाहता है तो क्या साल में एक दिन उपवास करने से दुबला हो जाएगा या उसे साल भर अपने खाने-पीने पर नियंत्रण रखना पड़ेगा? समझने की बात है, अगर हमें किसी समस्या का दूरगामी और स्थायी समाधान ढूंढना है तो हमें उस पर हरसंभव तरीके से निरंतर प्रहार करना होगा। यह जान लेना समीचीन होगा कि अन्य देशों में क्या प्रचलन है? असलियत यह है कि दुनिया के अधिकांश देशों में नववर्ष के आगमन पर, स्वतंत्रता दिवस पर और अन्य महत्वपूर्ण मौकों पर आतिशबाजी और पटाखे बड़े पैमाने पर छोड़े जाते हैं।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अमेरिका में करीब 100 करोड़ डालर आतिशबाजी पर खर्च होता है और करीब 12 करोड़ किलोग्राम आतिशबाजी जलाई जाती है। कहने का तात्पर्य यह है कि पश्चिमी देशों में खुशी के मौके पर आतिशबाजी और पटाखे दिल खोलकर छोड़े जाते हैं, परंतु वहां की सरकार और जनता पर्यावरण का पूरे साल ख्याल रखते हैं। सड़कें साफहोती हैं, नदियों का पानी निर्मल दिखता है, आप जहां-तहां कचरा नहीं फेंक सकते और जंगल भी हरे-भरे हैं। अपने देश में क्या होता है, यह भी जान लीजिए। हमारी सबसे पवित्र नदी गंगा के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। गंगा के किनारे हर प्रकार की फैक्टियां लगी हुई हैं। कपड़े की, दवाई बनाने की, सीमेंट उत्पादन की, रासायनिक पदार्थों की, बिजली के उपकरण बनाने की, शीशा, कागज, चमड़ा और पेट्रोलियम इत्यादि की। एक आकलन के अनुसार, इन फैक्टियों से लगभग 300 करोड़ लीटर गंदगी रोज गंगा में गिरती है।

नतीजा यह है कि गंगा का पानी अशुद्ध होता जा रहा है। सरकार 'गंगा एक्शन प्लान्य द्वारा नदी को गंदगी से बचाने की कोशिश कर रही है, परंतु ऐसा लगता है कि गंदगी का महिषासुर जीत रहा है। एक और उदाहरण देना प्रासंगिक होगा। हर पढ़े-लिखे भारतीय के पास आजकल स्मार्टफोन है और एक औसत भारतीय वाट्सएप का दीवाना है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में इस समय 53 करोड़ लोग वाट्सएप का इस्तेमाल कर रहे हैं। एक छोटा सा संदेश करीब चार ग्राम का कार्बन फुटप्रिंट देता है, अगर आप उसके साथ कुछ संलग्नक भी भेजते हैं, तो यह आंकड़ा बढ़कर 50 ग्राम कार्बन का हो जाता है। उदाहरण के लिए मान लिया जाए कि एक संदेश से केवल 20 ग्राम कार्बन का फुटप्रिंट होगा। हम भारतीय करीब 400 करोड़ संदेश रोज भेज रहे हैं। इनका कुल कार्बन फुटप्रिंट करीब 10 करोड़ किलोग्राम होगा। एक कार जब 5.2 किलोमीटर चलती है तो उससे करीब एक किलोग्राम कार्बन वायुमंडल में आ जाता है। यह मानते हुए कि एक औसत भारतीय गाड़ी वर्ष में करीब 12,000 किलोमीटर चलती होगी, हम प्रतिवर्ष वाट्सएप संदेश द्वारा इतना कार्बन फुटप्रिंट पैदा करते हैं जितना साल भर करीब 40,000 गाडियों के चलने से होगा। अगर हम इसमें फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम के संदेश भी जोड़ दें तो तस्वीर और भयावह हो जाएगी। भारत में 41 करोड़ लोग फेसबुक पर हैं, 1.75 करोड़ ट्विटर पर और 21 करोड़ इंस्टाग्राम पर हैं। इससे आप सहज ही अनुमान लगा सकते हैं। ऐसे तमाम प्रश्न उठाए जा सकते हैं। आजकल बहुत से स्कूल और कालेज पूरी तरह से वातानुकूलित हैं। इनमें पढने वाले बच्चे देश के गांव में तो कभी कोई काम नहीं करेंगे। घर से बाहर निकलते ही उन्हें गर्मी या सर्दी सताने लगेगी।

इन स्कूल और कालेजों द्वारा कितना प्रदूषण हो रहा है, इसका किसी ने हिसाब लगाया है? अमीर लोगों के बच्चे स्कूल बस से नहीं, बल्कि अपनी कार से जाते हैं। अगर वे बस से जाएं तो प्रदूषण में कितनी कमी होगी, इसकी कल्पना कीजिए। एयर कंडीशनर धड़ाधड़ घरों में और दफ्तरों में दिन-रात चलते हैं, इसका पर्यावरण पर क्या असर पड़ता है, कभी किसी ने नहीं सोचा है? किसान खुलेआम पराली जलाते हैं। उससे पर्यावरण बुरी तरह प्रदूषित होता है। संक्षेप में कहें तो हम अशर्फी पर लूट और कोयले पर मोहर वाले सिद्धांत पर चल रहे हैं। यानी जहां पर्यावरण के प्राण हरे जा रहे हैं, वहां तो कोई आवाज नहीं उठती, परंतु दीपावली में पटाखे और आतिशबाजी छोडने के खिलाफ मुहिम चलाकर हम समझते हैं कि हमने पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा दी। कुछ लोग कहते हैं कि हमारी धार्मिक भावनाओं पर आघात करने का एक षड्यंत्र चल रहा है। पता नहीं, यह बात सही है या एक भ्रामक प्रचार है, परंतु हमें अपने जीवन में संतुलन लाने की आवश्यकता है। पर्यावरण को हमें बचाना है। इसके लिए जहां पर्यावरण पर आघात हो रहा है वहां उस पर अंकुश लगाने की जरूरत है। जहां तक पटाखों का सवाल है, वह ऐसे बनाए जाएं जिनसे प्रदूषण न हो और यदि हो तो न्यूनतम हो। उन्हें छोडने का दिन, समय और स्थल भी निर्धारित किए जा सकते हैं। बहरहाल, हमारे जीवन में खुशियों के जो थोड़े मौके हैं और ऐसे मौके जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े हैं, उन पर प्रहार करने का क्या औचित्य है? इस पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है।

(लेखक अमेरिका स्थित टेरीन लैब के चीफएक्जीक्यूटिव आफिसर हैं)

चुनावी बाजार चाणक्यों की भरमार

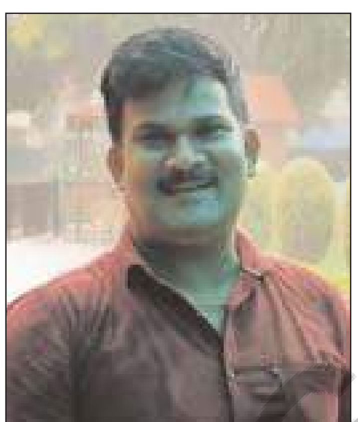

पंडित संदीप

अखंड भारत शब्द के प्रथम प्रणेता आचार्य चाणक्य के नाम की उपाधि ले लेने मात्र से कोई भी चाणक्य की उपलब्धि में बदल देगा यह संभावना ही संभव प्रतीत नहीं होती। नंद वंश का अंत कर शिखा को बांध देने की चाणक्य प्रतिज्ञा से भला कौन परिचित नहीं होगा? चंद्रगुप्त को सिंहासन सौंप स्वयं कुटिया में रहने वाले आचार्य चाणक्य का तप, साधना, समर्पण, संयम, सदाचार शब्द मात्र नहीं चाणक्य होने का, चाणक्य के बनने का चाणक्य के जीवन जीवांत होने का आधार है। आज दौरे चुनाव में मैं भी चाणक्य तू भी चाणक्य... खबरिया चैनलों पर चाणक्य की भरमार है हर ऐरे गैरे आंकड़ेबाजों की जमात के मुखिया को चाणक्य शब्द से सुशोभित कर महिमामंडित करने की होड़ मची है। चुनाव के नारों को गढ़ने वाले, आंकड़ों का जोड़ घटा कर नए समीकरण सजा मन मोहने वाले, आंकड़ों के उलट फेर से सत्ता संघर्ष का खेल खेलने वालों, सियासी रण में ऐसे सस्ते चाणक्य आज हर बाजार हर दल के दरबार में हाथ बांधे बिकने को तैयार खड़े हैं। ऐसे आज के तथाकथित चाणक्य जिनमें कुछ की दुकानें हैं तो कुछ दल दल, नेता नेता खुद को मैं भी चाणक्य बता चुनावी बिसात में रणनीति का माहिर बता सत्ता सुंदरी को मोहने का पासा फेंकते दिखाई देंगे।

इन सस्ते चाणक्यो के चक्कर में छोटे दलों के क्षत्रप फंस भी रहे हैं । जिससे उस दल के जमीनी कार्यकर्ताओं, अनुभवी नेताओं, पार्टी की दीवार बन अडिग खड़े बुद्धिजीवियों को उस भाड़े के चाणक्य के सम्मुख दरबारी बन हाजिरी लगाने की मजबूरी बन जाती है। चुनाव चेहरे, मुद्दे, कार्यकर्ता, ईमानदारी और उम्मीद इन पाँच सूत्र पर लड़े और जीते जाते रहे हैं और आगे भी यही पाँच आधार भूत तथ्य किसी दल को शीर्ष में पहुंचाने की राह बनाएंगे। चुनाव 2014 का हो तो चेहरा मोदी बन सामने थे, काला धन उम्मीद, बहुत हुई महंगाई की मार मुद्दा, भ्रष्टाचार से मुक्त ईमानदारी और कार्यकर्ताओं का हुजूम सुनामी बन कमल दल को दिल्ली दरबार में स्थापित करने का कारण बनी। उसी दिल्ली में केजरीवाल ने जनता से कहा काम किया तो वोट देना नहीं तो किसी और को चुन लेना। केजरीवाल दिल्ली में मोदी से बड़ा चेहरा बन गए, उनका काम चुनावी मुद्दा, उनकी शैली ईमानदारी का प्रतीक, उनके बनाए स्कूल, अस्पताल, बिजली उम्मीद की किरण बन जनता के दिलों में थी, नतीजा देश जीतने वाला दल केजरीवाल से हार गया अमित शाह की मंत्रियों मुख्यमंत्रियों, सांसदों, विधायको, बुद्धिजीवियों, धनपतियों की सेना झाड़ू वालों के सामने रणछोड़ बन परास्त चित्त हो सिमट गई। 70 में से आठ बस इतने ही जीते कमल प्रेमी दिल्ली के दंगल में। कांग्रेस का तो खाता ही नहीं खुला शून्य पर सिमटी शीला की कांग्रेस माकन के दौर में भी जीरो पर ही अडिग, अविचलित खड़ी रही। दीदी ओ दीदी बोल बंगाल में ललकारने वाले मोदी से ममता का चेहरा भिड़ गया। खेला होवे का नारा तराना बन दंभ, धर्म, अहंकार, नफरत की राजनीति का बीज बोने वालों को लपेट समेट गया।

दीदी चुनाव तक चतुराई से पैर में प्लास्टर सजाए पहिएदार कुर्सी पर विराजमान हो सहानुभूति की फसल काट बंगाल में ऐतिहासिक जीत का अध्याय लिखा। पूरे हिंदुस्तान ने देखा दीदी का दम, शाह की बिसात, मोदी की ललकार और बंगाल का फैसला। तीन चुनाव, तीन चेहरे, तीन जीत, तीन नायक देश के सामने हैं। ऐसे में सस्ते बाजारू चाणक्यो की चतुराई क्या काम आई? आंकड़ेबाजों की पैंतरेबाजी क्या रंग लाई? यह जीत कार्यकर्ताओं के कौशल, समर्पण दिल से जुड़े नेताओं के आत्मविश्वास का पैगाम है या फिर दल दल, दफ्तर दफतर घूम रहे मैं भी चाणक्य कहने वाले किसी सस्ते बाजारू चाणक्य का जादू... आंकड़े बताए गिनाए जा सकते हैं आंकड़ों से जाति, धर्म, अमीर, गरीब, पढ़े, अनपढ़, किसान, मजदूर, रोजगार, बेरोजगार चिन्हित किए जा सकते हैं पर चेहरे के बिना चुनावी समर में यह आंकड़ों का जाल किसी काम का नहीं बेमानी साबित होता है।

नेता की नियति लोकप्रियता आंकड़ों से नहीं बढ़ती बल्कि आंकड़ों का उपयोग ही नेता के वजूद के जादू से सत्यापित होता है। किसी भी दल को दिल जीतने की जुगत बनानी होगी, कार्यकर्ता प्रथम, दल को जीवन देने वाले सर्वोपरि, नेता का चेहरा बेदाग सेवा ही मुद्दा, समर्पण ही नारा होगा तो जनता राजतिलक करेगी वरना इन बाजारू चाणक्यों का सौदा पटा तो ठीक नहीं तो डील कैंसिल होते ही विरोधी के मंगल के गीत गाने शुरू कर देते हैं। नोट छाप वोट बटोर वाले मीडिया के बनाए बेचारे चाणक्य को क्या खबर चाणक्य बाजारू नहीं जुझारू होते हैं।

मोदी विरोधी अभियान के दौरान फिर पुरानी गलती दोहरा रही है कांग्रेस

संजय सक्सेना

सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि कांग्रेस नेता ने 1975 में जो नारा (इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इज इंदिरा') इंदिरा गांधी के पक्ष में लगाया था, उसी नारे को अब 2021 में कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 'फिट' करने की कोशिश में लगी हैं। कांग्रेस के एक नेता हुआ करते थे देवकांत बरूआ। बरूआ कांग्रेस के अध्यक्ष भी रहे थे। बरूआ की पहचान कांग्रेस के दिग्गज नेता सहित पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा के वफादारों में भी होती थी।

बरूआ ने ही आपातकाल के दौरान 1975 में नारा दिया था, 'इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इज इंदिरा'। यह नारा उस वक्त इंदिरा गांधी की ताकत को दिखाता था। एक समय इंदिरा को 'कामराज की कठपुतली' और 'गूंगी गुड़िया' कहा जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया ने उनका एक अलग रूप देखा। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, पूर्व रजवाड़ों के प्रिवीपर्स समाप्त करना, 1971 का भारत-पाक युद्ध और 1974 का पहला परमाणु परीक्षण... इन फैसलों से इंदिरा ने अपनी ताकत दिखाई। हालांकि 1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनके निर्वाचन को रद्द कर दिया। इसके बाद इंदिरा ने आपातकाल लागू कर दिया। इसी समय नारा आया था 'इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा' का नारा। हालांकि, इसके ठीक बाद 1977 में हुए चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। यहां तक कि प्रधानमंत्री रहते इंदिरा गांधी तक को हार का सामना करना पड़ा था। देश में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। कांग्रेस ने 1977 की हार के लिए मंथन किया तो इसके कारणों में आपातकाल के साथ ही विमर्श में यह बात भी निकल कर आई कि 'इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इज इंदिरा' के नारे का वोटरों के बीच काफी गलत प्रभाव पड़ा था और एक बड़ा वर्ग इससे बेहद नाराज भी था। इसीलिए इस नारे ने भी कांग्रेस की हार में प्रमुख भूमिका निभाई थी। कांग्रेस पर हमला करने के लिए विपक्ष आज भी इस नारे को उसके (कांग्रेस) खिलाफ जुमले की तरह इस्तेमाल करता है। यह सिक्के का एक पहलू है, सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि कांग्रेस नेता ने 1975 में जो नारा (इंदिरा इज इंडिया एंड इंडिया इज इंदिरा') इंदिरा गांधी के पक्ष में लगाया था, उसी नारे को अब 2021 में कांग्रेस प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर 'फिट' करने की कोशिश में लगी है। कांग्रेसी ऐसा माहौल बना रहे हैं जैसे 'मोदी ही भारत हैं, भारत ही मोदी हैं।' कांग्रेसियों द्वारा कई बार ऐसा माहौल बनाया जा चुका है, जहां मोदी से लड़ते-लड़ते कांग्रेसी भारत के विरोध पर उतर आते हैं। पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक के समय, कश्मीर से धारा 370 हटाये जाने के मौके पर, नागरिक सुरक्षा कानून (सीएए), चीन से विवाद के वक्त, नये कृषि कानून के विरोध के नाम पर या फिर टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के हाथों भारत को मिली शिकस्त के समय कांग्रेसी जैसा प्रलाप कर रहे हैं, उससे तो यही लगता है कि मोदी राज में भारत की अंतरराष्ट्रीय पटल पर जब कभी किरकिरी होती है तो कांग्रेसियों को मानो 'जश्न' मनाने का मौका मिल जाता है। इसीलिए कांग्रेसी और गांधी परिवार के लोग सर्जिकल स्ट्राइक का सबूत मांगते हैं। हाल यह है कि क्रिकेट के मैदान में भारतीय क्रिकेट टीम को पाकिस्तान के हाथों शिकस्त मिलती है तो कांग्रेसी नेता सोशल मीडिया पर चटकारे लेते हैं। पाकिस्तान से भारतीय क्रिकेट टीम को मिली हार के बाद कांग्रेस की नेशनल मीडिया कोऑर्डिनेटर राधिका खेड़ा ने अपने ट्वीट में लिखा, 'क्यों भक्तों, आ गया स्वाद? करवा ली बेइज्जती बता दें कि सोशल मीडिया पर मोदी समर्थकों के लिए इस टर्म का इस्तेमाल किया जाता है। लिहाजा, कांग्रेस लीडर ने एक तरह से टीम इंडिया की हार को मोदी से जोड़ने का प्रयास किया। हालांकि, ये बात अलग है कि ये 'प्रयास' उन्हें बहुत भारी पड़ा है। वैसे यह भूलना नहीं चाहिए कि जिस ट्वीट को लेकर राधिका खेड़ा ट्रोल हो रही हैं, उस तरह के ट्वीट के 'जनक' गांधी परिवार और खासकर राहुल गांधी ही हैं, जिनसे प्रेरणा लेकर ही उनकी पार्टी के अन्य नेता भारत को मोदी समझने की भूल करते जा रहे हैं। यह सिलसिला 2014 से मोदी के प्रधानमंत्री बनने से शुरू हुआ था जो आज तक जारी है और 2024 के लोकसभा चुनाव तक जारी ही रहेगा, इसको लेकर किसी में कोई संदेह नहीं है क्योंकि मोदी विरोधी विमर्श खड़ा करने वालों की आतुरता लगातार बढ़ती जा रही है। यह लोग मोदी फोबिया के चलते देशहित में भी कुछ सुनने को ही तैयार नहीं हैं। गांधी परिवार को लगता है कि मोदी की इमेज को खंडित करके वह कांग्रेस के सुनहरे दिन वापस ला सकते हैं, लेकिन यह फिलहाल तो सपने जैसा ही लग रहा है।

> एक समय इंदिरा को 'कामराज की कठपुतली' और 'गूंगी गुड़िया' कहा जाता था। लेकिन प्रधानमंत्री बनने के बाद दुनिया ने उनका एक अलग रूप देखा। बैंकों का राष्ट्रीयकरण, पूर्व रजवाड़ों के प्रिवीपर्स समाप्त करना, 1971 का भारत-पाक युद्ध और 1974 का पहला परमाणु परीक्षण... इन फैसलों से इंदिरा ने अपनी ताकत दिखाई। हालांकि 1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उनके निर्वाचन को रद्द कर दिया। इसके बाद इंदिरा ने आपातकाल लागू कर दिया। इसी समय नारा आया था 'इंदिरा इज इंडिया और इंडिया इज इंदिरा' का नारा। हालांकि, इसके ठीक बाद 1977 में हुए चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह हार गई थी। यहां तक कि प्रधानमंत्री रहते इंदिरा गांधी तक को हार का सामना करना पड़ा था। देश में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी।

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने इसको लेकर सटीक भविष्यवाणी की है। प्रशांत का कहना है कि भाजपा आने वाले कई दशकों तक भारतीय राजनीति में ताकतवर बनी रहेगी। वहीं राहुल के संबंध में प्रशांत का कहना था कि वह (राहुल गांधी) पीएम मोदी को सत्ता से हटाने के भ्रम में न रहें, जबकि राहुल गांधी कहते रहते हैं कि मोदी की सत्ता खत्म होना समय की बात है। भारतीय राजनीति का स्तर इतना गिर गया है कि माओवादियों के खिलाफ कार्रवाई करना अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताया जाता है। एक तरफ कहा जाता है कि आतंकियों का कोई धर्म नहीं होता है तो दूसरी ओर आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई होती है तो इसे सांप्रदायिकता से जोड़ दिया जाता है। वहीं जब कोई हिन्दू देशद्रोह के मामले में पकड़ा जाता है तो उसकी जाति बताई जाती है। इसी तरह से अपराध के किसी मामले में आरोपित यदि मुसलमान होता है, तो उसे साजिश के तहत फंसाये जाने की बात होने लगती है। उसे कोर्ट में ट्रायल से पहले ही बेगुनाह साबित कर दिया जाता है। आरोपित कोई हिंदू है तो उसे अदालत के फैसले से पहले ही अपराधी घोषित कर दिया जाता है।

सबसे खास बात यह है कि मोदी के नाम पर भारत की छवि को चोट पहुंचाने की साजिश में नेता ही नहीं कई गणमान्य हस्तियां भी बढ़-चढ़कर लॉबिंग करती हैं। इसीलिए कोई कहता है कि भारत अब रहने लायक नहीं रहा तो किसी को हिन्दुस्तान में डर लगता है। कोई व्यक्ति या कानून अच्छा है या बुरा, यह इस आधार पर तय होता है कि उसके तहत कार्रवाई किस पर हो रही है? सुशांत राजपूत के मामले में यह नहीं कहा गया कि एनडीपीएस एक्ट में खराबी है। जब एक पिता शाहरूख खान अपने बेटे के बारे में टीवी इंटरव्यू में कहता है कि वह चाहता है कि बेटा बड़ा होकर नशे का अनुभव ले, तो नतीजा तो यही होना था। बात यहीं तक सीमित नहीं है। जब अपने स्टारडम को भुनाते हुए जब शाहरूख खान खतरनाक और जानलेवा पान मसाले का विज्ञापन करते हुए लोगों को इसे खाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं तो फिर बेटे पर इसका प्रभाव कैसे नहीं पड़ता होगा। इसी के चलते वह चार कदम आगे निकल गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा। मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-46696546 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com
सम्पादकीय कार्यालय :- 15&16 सिंधिया हाउस, कस्तूरबा गांधी मार्ग, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001

एक नज़र

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा- हमारे लिए जनता मालिक, उनलोगों के लिए कोई और

पटना (एजेंसी)। कुशेश्वरस्थान एवं तारापुर विधानसभा सीटों पर उपचुनाव में मिली शानदार जीत का जश्न बुधवार को पटना में जदयू कार्यालय में मनाया गया। इसमें सीएम नीतीश कुमार भी शामिल हुए। उपचुनाव में जीते दोनों विधायकों ने सीएम से आशीर्वाद लिया। इस दौरान सीएम का बड़े फूलों की माला पहनाकर स्वागत किया गया। जीत की खुशी सीएम के चेहरे पर साफ झलक रही थी। इस दौरान उन्होंने जीत की बधाई दी साथ ही इशारों-इशारों में विपक्ष और खासकर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद पर खूब तंज कसा। कहा कि हमारे लिए जनता मालिक है। लेकिन उनके लिए कोई खुद मालिक हैं। हमारी दिलचस्पी काम करने में है। जब तक जनता चाहेगी काम करते रहेंगे। इससे पूर्व पार्टी कार्यालय में जैसे ही सीएम का काफिला पहुंचा, उनपर फूलों की बारिश की गई। दीपावली से दो दिन पहले धनतेरस के दिन जदयू प्रत्याशी के लिए वोटों की बारिश हुई। कुशेश्वरस्थान से जीते अमन हजारी और तारापुर से विजयी राजीव कुमार निर्वाचित होने के अगले दिन पटना पहुंचे। यहां जदयू कार्यालय में उनके स्वागत और सीएम के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह, केंद्रीय इस्पात मंत्री आरसीपी सिंह, जदयू संसदीय दल के नेता उपेंद्र कुशवाहा समेत बिहार सरकार के कई मंत्री और विधायक शामिल हुए। इस दौरान सीएम ने कहा कि दोनों जगहों पर राजग के नेता-कार्यकर्ता जनता के बीच गए। हमलोग भी गए। विरोध में जिसको जो करना था लोगों ने किया। लेकिन इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। हम हमेशा से कहते रहे हैं कि जनता मालिक है। बिहार के दोनों जगहों पर जनता ने जो फैसला किया सबके सामने है। हमलोगों के काम पर जनता ने भरोसा जताया। सीएम ने कहा कि जनता को सब पता है। उन्होंने इस दौरान कहा कि हमारे लिए जनता मालिक है लेकिन उनलोगों के लिए कुछ खास परिवार के लोग ही मालिक होते हैं। फर्क तो यही है। जिसका जो स्वभाव होता है, करता है। जिसको जो मन आता है बोलता रहता है इसमें कोई दिलचस्पी नहीं।

मधुबनी जिले में होटल से मिली 144 बोतल शराब, स्टाफ गिरफ्तार, मालिक फरार

मधुबनी (मधवापुर) (एजेंसी)। स्थानीय थाना पुलिस ने गुप्त सूचना पर मंगलवार की देर शाम सुजातपुर गांव में पलक मीट हाउस नामक होटल में छापेमारी कर 144 बोतल देसी-विदेशी शराब के साथ एक धंधेबाज को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए धंधेबाज की पहचान सीतामढ़ी जिला के चोरौत थाना क्षेत्र के चोरौत निवासी मोनू कुमार के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष गया सिंह ने बताया कि शाम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि पिरौखर गांव स्थित कमलेश साह के पलक मीट हाउस होटल में ग्राहकों के बीच शराब परोसी जा रही है। पुलिस ने सूचना पर संज्ञान लेते हुए छापेमारी की। इस दौरान होटल मालिक कमलेश साह फरार हो गया, लेकिन शराब परोस रहे होटल के स्टाफ़ को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। इस होटल से पुलिस ने 90 बोतल नेपाली निर्मित सौंपी नामक देसी एवं 54 बोतल नेपाली विदेशी शराब बरामद किया है। बरामद शराब जब्त कर गिरफ्तार मोनू कुमार के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। थानाध्यक्ष गया ड्क्षसह ने बताया कि फरार होटल मालिक पिछले काफी दिनों से शराब के कारोबार में संलिप्त है और कई बार शराब कांड में जेल जा चुका है। पुलिस फरार होटल मालिक की गिरफ्तार के लिए छापेमारी शुरू कर दी है। छापेमारी दल में पुलिस बल के जवान शामिल थे। लौकही। लौकही प्रखंड के नारी एसएसबी कैंप के जवानों ने रात्री गश्ती के दौरान नेपाल से बाइक पर ला रहे 205 बोतल नेपाली देसी शराब के साथ एक धंधेबाज को पकड़ा है। कैंप उप निरीक्षक आर्यन चौहान ने बताया कि पकड़े गए धंधेबाज विकास कुमार साह अंधरामठ थाना के लदनिया गांव का निवासी है। वह बाइक पर नेपाल से शराब लेकर आ रहा था। जिसे भारतीय सीमा क्षेत्र में पिलर नंबर 234/235 के बीच पकड़ा गया। जब्त शराब बाइक सहित धंधेबाज को लौकही थाना को सुपुर्द किया जा रहा।

आटो पलटने से वृद्ध की मौत, दो महिला सहित तीन घायल

जमुई (एजेंसी)। जमुई-लखीसराय मुख्य मार्ग पर हरनाहा के समीप बुधवार को तेज रफ्तार आटो सड़क पर पलट गया। इस दुर्घटना में आटो पर सवार चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक वृद्ध की मौत हो गई, जबकि दो महिलाओं का इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है। मृत वृद्ध की पहचान सोनो थाना क्षेत्र के गन्दर गांव निवासी 75 वर्षीय नुनेश्वर पासवान के रूप में हुई है। इसी गांव की गुड़िया देवी, उर्मिला देवी और बासुदेव पासवान घायल हुए हैं। इसके अलावा आटो पर सवार अन्य लोगों को भी हल्की चोटें आई हैं। घायल के स्वजन ने बताया कि सभी लोग गंगा स्नान करने के लिए आटो पर सवार होकर हाथीदह जा रहे थे। जैसे ही आटो हरनाहा के समीप पहुंची थी कि अचानक सामने में एक अन्य आटो घुमाने लगा। इसी दौरान ब्रेक लगाने के बाद आटो पलट गया।

पटना पंचायत, मुखिया चुनावः जेल से भी दिखा अनंत सिंह का जलवा, बिना चुनाव लड़े बहू बनीं मुखिया

पटना (एजेंसी)। जेल में बंद राजद विधायक अनंत सिंह का जलवा बरकरार है। इलाके में छोटे सरकार के नाम से मशहूर बाहुबली विधायक की रिश्ते में बहू निर्विरोध मुखिया चुनी गई हैं। यहां तक कि पंचायत में हर पद पर निर्विरोध निर्वाचन हुआ है। मामला बाढ़ अनुमंडल स्थित राजद विधायक के पैतृक गांव नदवां का है। यहां छठे चरण में मतदान होना था। लेकिन मुखिया से लेकर पंचायत समिति सदस्य, सरपंच, पंच, वार्ड सदस्य सभी पद के प्रत्याशी निर्विरोध चुने गए हैं। बीडीओ नवकुंज कुमार ने बताया कि सभी पद पर एक-एक नामांकन होने के बाद सभी को निर्विरोध निर्वाचित मान लिया गया है। इन सभी एक साथ प्रमाणपत्र काउंटिंग के दिन सौंपा जाएगा। बता दें कि राजद विधायक अनंत सिंह के करीबी बिहार केसरी के नाम से मशहूर विवेका पहलवान के भाई स्व कमलेश पहलवान की पत्नी मंजू देवी दूसरी बार मुखिया चुनी गई हैं। अनंत सिंह का प्रभाव था कि मंजू देवी के सामने किसी ने भी नामांकन करने की हिम्मत नहीं की। नामांकन की तिथि समाप्त होने के बाद सभी निर्विरोध चुने गए। मंजू देवी जहां मुखिया चुनी गई वहीं बिजली देवी सरपंच, श्यामनंद महतो पंचायत समिति सदस्य चुने गए। इनके अलावा 13 वार्ड सदस्य और पंच भी निर्विरोध रहे। लगातार दूसरी बार मुखिया चुनी गई मंजू देवी ने कहा है कि पंचायत के हर घर तक विकास पहुंचाएंगे। निर्विरोध निर्वाचन के बाद उनके आवास पर बधाई देने वालों की भीड़ रही।

मधुबनी में घर से बाहर निकली युवती को ग्रामीणों ने ही कर लिया अगवा, पिता ने लगाए आरोप, प्राथमिकी दर्ज

मधुबनी (एजेंसी)

खजौली थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने स्थानीय थाना को एक आवेदन देकर गांव के ही कुछ लोगों द्वारा अपनी पुत्री का अपहरण कर लेने की प्राथमिकी दर्ज करवाई है। दर्ज मामले में उन्होंने गांव के ही अर्जुन राउत, बमबम राउत, जिबछी देवी एवं अन्य पर अपनी 19 वर्षीय लड़की का अपहरण कर लेने का आरोप लगाया है। मामले में कहा गया है कि 18 अक्टूबर की शाम को करीब आठ बजे उनकी पुत्री शौच के लिए घर से निकली। उसी समय पहले से ही घात लगाए नामजद आरोपियों ने उनका अपहरण कर लिया। आवेदन में नामजद लोगों से अपनी पुत्री के बारे में जानकारी मांगने पर गाली-गलौज करने का भी आरोप लगाया गया है। थानाध्यक्ष अजीत प्रसाद सिंह ने बताया कि लड़की के पिता के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर अपहृत लड़की की खोजबीन शुरू कर दी गई है। मधुबनी। नगर थाना क्षेत्र के बसुआरा से अपहृत की गई नाबालिग लड़की को पुलिस ने बरामद कर लिया है। वहीं इस अपहरण कांड के मुख्य आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। बरामद की गई अपहृता को महिला पुलिस की सुरक्षा में रखा गया है। बरामद की गई अपहृता का न्यायालय में बयान कलमबद्ध कराया जाएगा। बीते 26 अक्टूबर से उक्त लड़की गायब थी। इस मामले में लड़की के स्वजन ने गांव के ही छह लोगों के विरुद्ध अपनी पुत्री का अपहरण कर लिए जाने का आरोप लगाते हुए नगर थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस घटना को लेकर गांव में दो पक्षों के बीच तनाव भी उत्पन्न हो गया था। रोड़ेबाजी से लेकर हिंसक झड़प तक हो गई थी। काफी मशक्कत के बाद प्रशासन ने स्थिति पर काबू पाया था। बताया जा रहा है कि हिंसक झड़प व रोड़ेबाजी मामले में भी नगर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। खुटौना। लौकहा थाना क्षेत्र स्थित ससुराल से 26 अक्टूबर की रात गायब महिला का कोई अता-पता नहीं मिल रहा है। लदनियां थाना क्षेत्र से आए उसके पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी के गायब होने की खबर मिलने के अगले दिन से ही उन्होंने हर संभव जगह पर उसकी तलाश की, लेकिन कुछ पता नहीं चला। पुलिस को दिए आवेदन में पिता ने पुत्री की जान पर खतरे की आशंका व्यक्त करते हुए इस मामले में उसके ससुराल वालों को संलिप्त बताया है। फुलपरास। थाना क्षेत्र के धनौजा नवटोल गांव निवासी शंभू कुमार यादव की पत्नी गीता देवी ने थाना में मामला दर्ज कराते हुए अपने ससुर, सास, ननद एवं देवर पर विभिन्न आरोप लगाए हैं। प्राथमिकी में दर्ज विवरण के अनुसार दहेज में दो लाख रुपयं एवं एक बाइक की मांग की जा रही है। नहीं देने पर गाली गलौज मारपीट व प्रताड़ित करने एवं जख्मी कर घर से भगा देने की आरोप लगाई है। अपने लिखित बयान में बताई है कि वर्ष 2016 में उनकी शादी धनौजा नवटोल निवासी रामकुमार यादव के पुत्र शंभू कुमार यादव से ड्क्षहदू रीति रिवाज के अनुसार हुई थी। उसके बाद उन्हें एक लड़की भी जन्म ली। बावजूद कुछ वर्षों के बाद उनके साथ दहेज के लिए मारपीट प्रताड़ित किया जाने लगा जिसके लिए उनके पिता द्वारा ग्रामीण पंचायती भी बैठाया गया था, लेकिन वे लोग नहीं माने। पिछले दिनों उसे मारपीट कर जख्मी कर दिया गया और सभी सामान लेकर उसे घर से बाहर निकाल दिया गया। थानाध्यक्ष कुमार कीर्ति ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

नौ लाख रुपये कर्ज लेकर पांच साल बाद लौटाने से इन्कार, बगहा में एक परिचित के साथ धोखाधड़ी का मामला

बगहा (प.चं) (एजेंसी)

नगर थाने के रामधाम मंदिर मोहल्ला निवासी रामकृपाल गुप्ता ने नगर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराते हुए नगर थाने के ही बुधवार टोला मोहल्ला निवासी विजय कुमार साहु पर नौ लाख रुपये उधार लेने और वापस नहीं लौटाने का आरोप लगाया है। जिसमें बताया गया है कि विजय कुमार साहु से पुराना पहचान होने के कारण उन्हें नौ लाख रुपये कर्ज के रूप में वर्ष 2016 दिया था। उक्त रुपये को दो साल के अंदर वापस करने की बात कही गई थी। जब समय बीत गया तो पैसे की मांग की गई तो विजय कुमार साहु के द्वारा पीएनबी के नाम से नौ लाख का चेक दे दिया गया। जिसे वादी ने अपने खाते में जमा किया तो चेक बाउंस हो गया। जिसके बाद वादी के द्वारा नोटिस भी जारी किया गया लेकिन कोई जबाव नहीं मिला और जब अपना रुपया मांगने गया तो आरोपित ने खुद को रंगदार बताते हुए रुपये वापस करने से इन्कार कर दिया। मामले में नगर थानाध्यक्ष आनंद कुमार ड्क्षसह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जा रही है। बगहा। शहर के नरैनापुर घाट रोड के पास स्थित एक स्टूडियों में अज्ञात लोगों ने दुकान की छत तोड कर हजारों रुपये मूल्य का माल गायब कर दिया। मंगलवार की रात उक्त स्टूडियों संचालक विनोद कुमार अपनी दुकान बंद कर घर चले गए। बुधवार की सुबह जब वह दुकान पहुंचे तो तो देखा कि दुकान की छत तोड़कर चोरों ने दो वीडियो कैमरा, दो फोटो कैमरा सहित एलईडी टीवी, पेन ड्राइव, मोबइल चार्जर, एलईडी बल्ब आदि की चोरी कर ली है। दुकानदार ने पठखौली ओपी पुलिस को आवेदन सौंप घटना की जानकारी दी है। उधर, पुलिस मामले की जांच कर रही है। अरेराज। ओपी पुलिस ने मंदिर रोड स्थित गांधी चौक से मंगलवार की देर शाम बाइक चोरी करते एक युवक को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। गांधी चौक स्थित साहिल जींस कॉर्नर दुकान मालिक जैकी कुमार की सुपर स्प्लेंडर बाइक को उक्त युवक मास्टर चाबी से खोलने का प्रयास कर रहा था। इसी वक्त दुकानदार ने चोरी का प्रयास करते युवक को देखकर हल्ला किया। लोगों ने युवक को पकड़कर पुलिस को सौंपा। अरेराज ओपी थाना के एएसआई लालजी पंडित ने बताया कि बाइक चोरी करते पकड़ा गया युवक गोड्क्षवदगंज थाना क्षेत्र के खजुरिया कोईरिया टोला का निवासी बीरबल कुमार है। उसे बाइक चोरी में गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

हाथी के नाम कर दी थी पांच करोड़ की संपत्ति, पटना के शख्स को जान देकर चुकानी पड़ी कीमत

पटना (एजेंसी)

पटना में बुधवार की सुबह एक ऐसे शख्स की हत्या कर दी गई, जिसने अपनी पूरी संपत्ति अपने प्यारे हाथी के नाम कर दी थी। ऐसा करने की वजह से यह शख्स खुद अपने ही बेटे के निशाने पर था। अख्तर इमाम नाम के इस शख्स पर पहले भी हमले हुए थे। ऐरावत ट्रस्ट के मालिक अख्तर इमाम ने अपनी पूरी संपत्ति अपने हाथी के नाम कर दी थी। जिस हाथी के नाम अख्तर ने अपनी संपत्ति की थी, उसकी हत्या पहले ही हो चुकी है। उस हाथी का एक बच्चा है। अख्तर की संपत्ति का मालिक अब वही था। मिली जानकारी के अनुसार बुधवार की सुबह अख्तर जानीपुर के मुर्गीयचक अपने बगीचे में जैसे ही पहुंचे, घात लगाए अपराधियों ने उनको ताबड़तोड़ गोलियां मार दीं। कम से कम तीन गोलियां लगने की बात कही जा रही है। गोली चेहरे और गर्दन के आसपास लगी है। इलाज के लिए पटना एम्स ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। गोली मारने वाले अपराधी दो की संख्या में थे और बाइक पर सवार होकर आए थे। अख्तर इमाम के पूरे परिवार का आपराधिक अतीत रहा है। खुद अख्तर भी एक पत्रकार की हत्या में आरोपित रहा है। इसके अलावा कई अन्य मामलों में भी आरोपित है। उस पर पहले भी हमले हुए हैं। इसका बेटा मेराज और उसकी पत्नी दानापुर कोर्ट में पुलिसकर्मी की हत्या करने के आरोप में जेल में बंद है। मेराज पर आरोप है कि उसने पिता पर कई बार हमले कराए। इधर, बिहटा थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के लई बाजार में छापेमारी कर छह पैकेट ब्राउन शुगर के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान थाना क्षेत्र के बेदौली गांव निवासी अमरनाथ कुमार उर्फ गब्बर के रूप में की जा रही है। थानाध्यक्ष ऋतुराज सिंह ने बताया कि लई बाजार पर कुछ स्मैकियर घूम रहे हैं। इस आधार पर हमने छापेमारी की। इस दौरान तीन लोग भाग निकले। वहीं एक युवक को गिरफ्तार कर लिया गया। जांच के दौरान उसके पैकेट में रखे खैनी की चुनौटी से छह पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया गया। गिरफ्तार युवक से पूछताछ के बाद गिरोह सरगना की तलाश की जा रही है।

संकल्प के दीपों से फिर जगमगाएगा लखदीपा मंदिर, आप भी आएं बांका के इस ऐतिहासिक धरोहर को देखने

बौंसी (बांका) (एजेंसी)। पवित्र पर्वत मंदार की तलहटी में मौजूद लखदीपा मंदिर को फिर से रोशन करने का बांका वासियों ने संकल्प लिया है। आज दीपावली को यहां फिर से उम्मीदों का दीया जगमगाएगा। पाल वंश के राजाओं द्वारा निर्मित इस मंदिर में किसी समय दीपावली के अवसर पर एक लाख दीये जलाए जाते थे। इस बार जनप्रतिनिधियों व प्रबुद्धजनों ने अपनी इस विरासत को प्रकाशित करने की अपील की है। लोग भी दीपावली पर यहां पहुंचने के लिए बेसब्र हैं। सत्यम योग दर्शन सेवाश्रम के संस्थापक सह सचिव योगी मुकेश कुमार ने बताया कि वे इस दीपावली को मंदिर में 501 दीप जलाएंगे। अन्य लोगों से भी इसे लेकर अपील की है। शहर के प्रो. मिथिलेश कुमार झा, गोविंद कुमार, अधिवक्ता रवींद्र शर्मा, छात्रा खुशी कुमारी आदि ने बताया कि इस दीपावली पर लखदीपा मंदिर को जगमग करने से बेहतर कोई काम नहीं हो सकता। धार्मिक न्यास समिति के सदस्य राजाराम अग्रवाल बताते हैं कि आज भले ही यह मंदिर झाडियों में गुम हो रहा हो, लेकिन किसी समय यहां दीप जलाने के लिए एक ताखे हुआ करते थे। इन ताखों के अवशेष आज भी मौजूद हैं। इस मंदिर का यदि जीर्णोद्धार हुआ तो यह देश-विदेश के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। उनका मानना है कि यह काम अगर प्रशासनिक स्तर पर नहीं हो सका तो जनसहयोग से यह जरूर होगा। उन्होंने बताया कि यह विश्व का इकलौता ऐसा मंदिर था, जहां दीपावली के अवसर पर एक लाख दीप जलाए जाते थे। आज से कुछ दशक पूर्व तक लोग यहां दीपावली के अवसर पर घर से एक-एक दीप लेकर जलाने आते थे। पटना के पुरातत्व विभाग द्वारा मंदिर का कई बार सर्वेक्षण भी किया गया। चार साल पूर्व भागलपुर के तत्कालीन डीआइजी विकास वैभव ने लोगों से अपील कर यहां हजारों दीप जलवाए थे। विभिन्न इतिहासकारों के अनुसार मंदिर की नींव सातवीं से आठवीं सदी के बीच की है। इतिहासकार मनोज मिश्र ने बताया कि लखदीपा मंदिर के शीर्ष पर भगवान मधुसूदन की प्राचीन मूर्ति स्थापित थी। यहां के शासक दीपावली के अवसर पर भगवान मधुसूदन व मां लक्ष्मी की आराधना के लिए लाखों दीप जलवाकर उत्सव का आयोजन करते थे। नर्तकियां नृत्य करती थीं। विभिन्न प्रकार के आयोजन भी किए जाते थे। बाद में काला पहाड़ ने मंदिर के शिखर को ध्वस्त कर दिया था। तब, भगवान की मूर्ति दूसरी जगह स्थापित की गई। उन्होंने बताया कि पाल वंश के पहले शासक धर्मपाल ने लखदीपा मंदिर का निर्माण करवाया था। उन्होंने कन्नौज से बिहार तक कई अन्य मंदिर भी बनवाए थे। पर्यटन विभाग के कार्यपालक अभियंता धनंजय नारायण ने बताया कि प्रस्ताव आने पर मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इस मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए लोग पहल करें। इस गौरवशाली मंदिर में लोग दीपावली के अवसर पर एक-एक दीप के साथ पहुंचें। मंदिर के विकास के लिए सरकार से बात की जाएगी।

किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए बेहतर बाजार व्यवस्था के साथ समय संसाधन मिलना हो सुनिश्चित

पटना (एजेंसी)। किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए उनकी समस्या को नजदीक से समझने की जरूरत है। प्रदेश की आठ हजार से अधिक पंचायतों में आयोजित हो रही किसान चौपाल इस दिशा में एक सकारात्मक पहल कही जा सकती है। नौ नवंबर तक लगने वाली इस चौपाल में करीब 12.60 लाख किसानों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित है। इसमें किसानों को रबी की खेती से संबंधित सभी योजनाओं की जानकारी देने के साथ उनको बेतहाशा उर्वरक के इस्तेमाल से बचने और पर्यावरण को बचाते हुए खेती करने के प्रति जागरूक किया जा रहा है। मौसम अनुकूल खेती और फसल अवशेष प्रबंधन के संबंध में भी प्रशिक्षण दिया जाना है। चौपाल में शामिल होने वाले किसान जो सुझाव देंगे उसे कृषि विभाग लिखित रूप में दर्ज करेगा। राज्य में ऐसा पहली बार होगा कि किसानों की बात सरकारी रिकार्ड का हिस्सा बनेगी। प्रयास होना चाहिए कि इस चौपाल में अधिक से अधिक किसान शामिल हों और उनके उचित सुझावों को पूरी तरह महत्व दिया जाए। वैसे, कृषि उपज बढ़ाने के लिए सभी किसानों को बेहतर बाजार व्यवस्था के साथ समय से उन्नत बीज, तकनीक और पर्याप्त मात्र में सही मूल्य पर खाद उपलब्ध कराने पर विशेष जोर देना चाहिए। सरकार इस दिशा में काम कर रही है, लेकिन जब तक बिचौलिए प्रभावी बने रहेंगे तब तक किसानों की समस्या का अंत नहीं किया जा सकता। इसी तरह कृषि योग्य भूमि का रकबा बढ़ाने के साथ एक से अधिक फसल लेने की स्थिति निर्मित करने की कोशिश होनी चाहिए। फिलहाल यह स्थिति नहीं बन पा रही है।

यूपी की दो महिलाएं बिहार में कर रही थीं गंदा काम, बेगूसराय के बरौनी जंक्शन पर ऐसे हुआ पर्दाफाश

बरौनी (बेगूसराय) (एजेंसी)। यूपी से आकर बिहार के बेगूसराय में दो महिलाएं रेल यात्रियों के सामान की चोरी में लगी थीं। इसका पर्दाफाश रेल पुलिस उपाधीक्षक गौरव पांडेय के नेतृत्व में बरौनी जीआरपी की ओर से चलाए गए सघन जांच-पड़ताल में हुआ। बरौनी जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या चार व पांच के पश्चिमी छोर से दो संदिग्ध महिलाओं को पकड़कर पूछताछ की गई। उनके पास से चोरी की मोबाइल, जेवर, नकदी बरामद किए गए। पूछताछ में पता चला कि ये सब चोरी के हैं। पुलिस को शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ महिलाएं चोरी के काम में जुटी हैं। इसके बाद पुलिस ने सघन अभियान चलाकर दोनों को पकड़ा। रेलयात्रियों को निशाना बनाती थीं। गिरफ्तार महिलाओं की पहचान उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के डुमरी थाना क्षेत्र अंतर्गत पांडेय चौक निवासी नजरे आलम की 35 वर्षीय पत्नी गीता देवी एवं इसी इलाके की रामलाल की 40 वर्षीय पत्नी चंदा देवी के रूप में की गई। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध मामला दर्ज कर जेल भेज दिया। ये महिलाएं ट्रेन की बोगियों और प्लेटफार्म पर यात्रियों के सामान चुराती थीं। वे इतनी चालाकी से घटना को अंजाम देती थीं कि किसी को पता भी नहीं चलता था। वीरपुर थाना क्षेत्र के मैदा वभनगामा निवासी जय जय राम यादव की पत्नी किरण देवी ने वीरपुर थाना में बखतपुर टोला सुल्तानपुर के वार्ड संख्या एक के निवासी राम सेवक महतो, अनिल महतो, सुनील महतो सहित आठ नामजद एवं पांच अज्ञात लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई। दर्ज प्राथमिकी में ट्रैक्टर, बाइक पर सवार होकर हरवे हथियार, लाठी, डंडे, खंती से लैस होकर घर पर चढ़ाई कर गाली गलौज करने, घर में घुसकर लूटपाट करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में थानाध्यक्ष समरेंद्र कुमार ने बताया कि मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दिया गया।

बिहार के गोपालगंज में जहरीली शराब से पांच की मौत, एक की आंख की रोशनी गई, कई बीमार

गोपालगंज (एजेंसी)। बिहार के गोपालगंज जिले के मोहम्मदपुर के कुसहर गांव में एक के बाद एक, पांच लोगों के मरने और कई लोगों के बीमार होने की सूचना से हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि उन्होंने जहरीली शराब का सेवन किया था। घटना के बाद पुलिस व प्रशासन के अधिकारी गांव पहुंच चुके हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी गांव में कैंप कर रही है। कई बीमार लोगों का इलाज सदर अस्पताल में किया जा रहा है। मरने वालों में से एक के स्वजनों ने बताया कि वह नियमित रूप से शराब का सेवन करता था। मंगलवार को आधी रात के बाद अचानक उसकी तबीयत बिगड़ी और मौत हो गई। घटना को लेकर पुलिस आधा दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि इस घटना में बीमार तीन लोगों की हालत गंभीर है। सूचना मिलने पर सदर एसडीओ उपेंद्र पाल, थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार दल बल के साथ मौके पर पहुंच गए हैं। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। बताया जाता है कि महमदपुर गांव तथा कुछ दूरी पर स्थित कुसहर गांव के कुछ लोग एक साथ बैठ कर शराब पीने के बाद मंगलवार की रात अपने घर पहुंचे। देर रात इन लोगों की तबीयत बिगड़ने लगी तथा एक-एक कर महमदपुर गांव निवासी संतोष साहू, छोटेलाल सोनी तथा कुसहर गांव निवासी धर्मेंद्र राम की मौत हो गई। बीमार लोगों को उनके स्वजनों ने मोतिहारी के अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के क्रम में मोतिहारी में भर्ती महमदपुर गांव निवासी छोटेलाल प्रसाद की भी मौत हो गई। जहरीली शराब पीने से मरने वालों की संख्या चार हो गई है। वही, कुसहर गांव निवासी भोला राम की आंख की रोशनी चली गई है। गोपालगंज के डीएम डा. नवल किशोर चौधरी ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराई जा रही है। मेडिकल रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह पता चल सकेगी। उन्होंने कहा कि गांव में एक व्यक्ति की मौत स्वभाविक तौर पर हुई है। दो लोगों की मौत की वजह स्पष्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि बीमार लोगों के इलाज के लिए मेडिकल टीम तैनात की गई है। आपको बता दें कि पहले भी हाल के महीनों में ऐसी घटनाएं गोपालगंज जिले में हो चुकी हैं। बिहार में शराबबंदी के बावजूद जहरीली शराब से मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। मुजफ्फरपुर, वैशाली, रोहतास, सिवान, नवादा, पश्चिम चंपारण सहित कई जिलों में जहरीली शराब से मौत के मामले सामने आते रहे हैं।

दंगल टीवी के शो रंजू की बेटियां में नया ड्रामा

दंगल टीवी के शो रंजू की बेटियां में ड्रामा अब हाई वोल्टेज का होने वाला है। दरअसल अब ट्विस्ट यह है कि गुड्डू मिश्रा दोबारा रंजू से शादी करेंगे। घर में खुशियों और शादी का माहौल है लेकिन ऐसे सीन में भी ललिता कुछ कर सकती है, इसलिए रंजू के दिल में तरह तरह की दुविधाएं हैं। मुंबई में इस सीरियल की शूटिंग के दौरान रंजू का रोल निभा रही रीना कपूर ने बताया कि हमारे घर मे शादी का माहौल बना हुआ है। रंजू और गुड्डू की दोबारा 20 साल बाद शादी हो रही है, कहने के लिए दूसरी शादी है लेकिन रंजू की नजरों से देखा जाए तो यह पहली शादी है। क्योंकि 20 साल तक शादीशुदा होने के बावजूद उसे कभी पत्नी का दर्जा नहीं

दिया गया। कभी उसके बच्चों के लिए बाप नहीं था, रंजू अकेली औरत बच्चों की मां बाप दोनों बनकर रही। उसने तन्हा स्ट्रगल किया, उसकी लाइफ में मैन सपोर्ट कभी नहीं मिला। उसकी लाइफ में बीस साल बाद गुड्डू मिश्रा की एंट्री हो रही है तो खुशियों ने दस्तक दे दी है। इसी के साथ उसके दिल में घबराहट है, डर है, मिक्स इमोशंस हैं। उसे शक है कि कहीं गुड्डू मिश्रा कुछ दिनों के लिए उसकी जिंदगी में आए और फिर वापस न चले जाए। रंजू और गुड्डू मिश्रा की दोबारा शादी की पूरी तैयारियां हो रही हैं। अब इस शादी में भी कुछ ड्रामा होता है या नहीं इसके लिए आपको दंगल टीवी पे रंजू की बेटियां देखनी होंगी। अम्माँ जी की जिद की वजह से यह शादी हो रही है क्योंकि उनका मानना है कि 20 साल पहले जब रंजू बहु बनकर आई थी तब भी उसे कभी दुल्हन वाली फीलिंग नही आई थी। क्योंकि उसके गृहप्रवेश के वक्त ही उसके पति उसे छोड़कर चले जाते हैं। अम्माँ जी ने शुरू से अपनी बहू रंजू का सपोर्ट किया है और अब जब गुड्डू मिश्रा को अपनी गलती का एहसास हो गया है और वह वापस रंजू के पास आना चाहते हैं तो अम्माँ जी का कहना है कि यह एक नई शुरुआत है इसलिए रंजू और गुड्डू की शादी होनी चाहिये। और अम्माँ जी की जिद की वजह से हम यह सेलिब्रेशन कर रहे हैं। इस शादी से रंजू की बेटियां भी काफी खुश हैं बस रंजू ही है जो अब भी कशमकश में है। यह दादी और बच्चों की प्लानिंग है कि मम्मी पापा की हम दोबारा शादी करवाएंगे। रंजू ने आगे बताया कि ललिता मिश्रा तो मौका छोड़ेंगी नहीं, वह कोई न कोई ड्रामा करेगी, इसीलिए मैंने कहा कि आप धारावाहिक देखिए कि हमारी शादी हो पाती है या नहीं?

जय भीम में प्रकाश राज के एक सीन को लेकर सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

हाल ही में रिलीज हुई तमिल फिल्म जय भीम को लेकर सोशल मीडिया पर एक बड़ी बहस छिड़ गई है। फिल्म में अभिनेता प्रकाश राज के एक थप्पड़ वाले दृश्य ने ट्विटर पर हंगामा खड़ा कर दिया है। दृश्य में प्रकाश राज को एक हिंदी भाषी मोहरे के दलाल को थप्पड़ मारते हुए दिखाया गया है, और उससे हिंदी की जगह तमिल में बोलने के लिए कहा गया है। जिसे लेकर हिंदी भाषी दर्शकों ने अपनी नाराजगी ट्विटर पर व्यक्त की है। एक यूजर ने ट्वीट किया, हैशटैग जय भीम देखने के बाद मेरा दिल

टूट गया है। यह देखकर वास्तव में बुरा लगा कि फिल्म में एक दृश्य है जहां एक व्यक्ति हिंदी बोलता है और प्रकाश राज उसे थप्पड़ मारते है और उसे तमिल में बोलने के लिए कहते है। ईमानदारी से इस तरह के दृश्य की जरूरत नहीं थी। आशा है कि वे इसे काट देंगे। उन्होंने कहा, हम तमिल फिल्मों का इंतजार करते हैं। हम उनका समर्थन करते हैं, हम निमार्ताओं से इसे पूरे भारत में रिलीज करने का अनुरोध करते हैं, बदले में हमें सिर्फ प्यार के अलावा कुछ नहीं चाहिए। प्यार नहीं तो कम से कम अपमान तो नहीं। उपयोगकर्ता के ट्वीट के जवाब में एक फिल्म समीक्षक ने लिखा कि जब कि दृश्य हिंदी भाषी भारतीयों के खिलाफ नहीं है। विशेष चरित्र हिंदी में बोलकर भाग जाने की कोशिश करता है, ताकि प्रकाश राज को समझ में न आए और इस रणनीति को जानने के बाद, वह उसे थप्पड़ मारते है और उसे तमिल में बोलने के लिए कहते है। तमिल फिल्म निमार्ता हिंदी भाषा के खिलाफ नहीं हैं। बहस में कुछ लोगों ने पुलिस अधिकारी का किरदार निभाने वाले अभिनेता प्रकाश राज पर भी अपना गुस्सा उतारा।

नोलन की ओपेनहाइमर फिल्म में नजर आएंगे रॉबर्ट डाउनी जूनियर, मैट डेमन

अभिनेता रॉबर्ट डाउनी जूनियर और मैट डेमन, क्रिस्टोफर नोलन की आगामी द्वितीय विश्व युद्ध आधारित फिल्म ओपेनहाइमर में अभिनय करेंगे, जो परमाणु बम के विकास के बारे में बताएगी। यह स्पष्ट नहीं है कि फिल्म में डाउनी जूनियर और डेमन का

किरदार कैसा होने वाला है। वेरायटी डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, नोलन एक स्टार-स्टडेड कास्ट को असेंबल कर रहे हैं, जिसमें जे रॉबर्ट ओपेनहाइमर के रूप में सिलियन मर्फी और उनकी पत्नी कैथरीन के रूप में एमिली ब्लंट शामिल हैं। ओपेनहाइमर, एक भौतिक विज्ञानी जो मैनहट्टन परियोजना का अभिन्न अंग था, को परमाणु बम के जनक के रूप में जाने जाते है। हालांकि विवरण को गुप्त रखा गया है, लेकिन कहानी परमाणु हथियार के निर्माण को पेश कर सकती है। यूनिवर्सल पिक्चर्स ओपेनहाइमर को प्रस्तुत कर रहा है। फिल्म में 100 मिलियन डॉलर का प्रोडक्शन बजट है। यूनिवर्सल ने पैरामाउंट, सोनी और वार्नर ब्रदर्स के खिलाफ इस युद्ध में परियोजना के अधिकार जीते। अपनी अगली विशेषता पर यूनिवर्सल के साथ काम करने का विकल्प चुनकर फिल्म निमार्ता नोलन ने वार्नर ब्रदर्स के साथ 20 साल का रिश्ता तोड़ दिया है। नोलन का नवीनतम बिग-बजट टेंटपोल टेनेट सितंबर 2020 में खुला और विशेष रूप से सिनेमाघरों में खेला गया, जिससे उत्तरी अमेरिका में 58 मिलियन डॉलर और वैश्विक स्तर पर 363 मिलियन डॉलर कमाए है। ओपेनहाइमर 21 जुलाई, 2023 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी।

फरवरी 2022 में रिलीज होगी अदिवि शेष की मेजर

अदिवि शेष अभिनीत मेजर की टीम ने दिवाली के अवसर पर फिल्म रिलीज की तारीख की घोषणा की है। फिल्म मेजर 11 फरवरी, 2022 को रिलीज की जाएगी। रिलीज की तारीख के अपडेट के अलावा, निमार्ताओं ने एक वीडियो भी जारी किया है। वीडियो में मेजर का निर्माण दिखाया गया है। बहुत अधिक प्रत्याशा पैदा करते हुए, वीडियो ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा है। इससे पहले, टीम एक दिलचस्प टीजर के साथ आई थी, जिसने फिल्म की संभावनाओं को बढ़ाया था। शशि किरण टिक्का द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2008 के मुंबई हमलों के शहीद मेजर संदीप उन्नीकृष्णन के जीवन पर आधारित है।

दीपिका पादुकोण को लेकर रणवीर सिंह ने किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह ने द बिग पिक्चर शो में प्रतियोगी दिव्यांश के साथ डांस करते हुए खुलासा किया कि लुंगी डांस ट्रैक की शूटिंग के दौरान दीपिका पादुकोण को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे। वीकेंड एपिसोड के दौरान दिव्यांश होस्ट रणवीर सिंह द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब देंगे और साथ ही वे अपने पिता के बारे में बातचीत भी करेंगे। दिव्यांश ने रणवीर को बताया कि कैसे

उनके पिता ने उनके संघर्षों में उनका समर्थन किया है। मेजबान यह भी बताते है कि कैसे उनके पिता ने उनकी सफलता में गहरा योगदान दिया है। दिव्यांश ने रणवीर को यह भी बताया कि वह अपने गांव के पहले व्यक्ति हैं जो सिविल इंजीनियर बने हैं। वह उत्तर प्रदेश के रहने वाले है। रणवीर और दिव्यांश दोनों ने बातचीत में अपने जीवन के संघर्षों के बारे में बात की। दिव्यांश ने उन्हें अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए अपने पिता द्वारा सामना की गई कठिनाइयों के बारे में बताया। रणवीर ने यह भी बताया कि जब वे अमेरिका में पढ़ने गए तो कैसे उनके पिता ने आर्थिक तंगी का सामना किया था। उन्होंने आगे उल्लेख किया कि कैसे उनके पिता ने उन्हें कभी भी उन परेशानियों का एहसास नहीं कराया, जिनसे वे और उनकी मां गुजरे थे और दिव्यांश की कहानी से संबंधित हो सकते हैं। रणवीर ने दिव्यांश के साथ लुंगी डांस गाने पर डांस भी किया। रणवीर ने खुलासा किया कि जब दीपिका इस गाने की शूटिंग कर रही थीं तो वह दीपिका पादुकोण को प्रभावित करने की कोशिश कर रहे थे।

ऋचा चड्ढा: ओटीटी हमारा वर्तमान और भविष्य है

ऋचा चड्ढा ओटीटी पर अपनी परियोजनाओं के संबंध में बहुत चयनात्मक रही हैं, लेकिन अपनी पसंद के बावजूद, अभिनेत्री ओटीटी प्लेटफार्मों की पसंदीदा अदाकारा बन चुकी हैं। इन वर्षों में, उन्होंने कई अद्भुत प्रदर्शन दिए हैं और दर्शकों और आलोचकों दोनों द्वारा इसकी सराहना की गई है। उनकी राय में, ओटीटी ने नई प्रतिभाओं को पहचान दी है और सामग्री में विविधता लाई है। शुरूआती दौर में ओटीटी के माध्यम के बारे में बहुत कुछ कहा गया था। सामग्री उद्योग में अधिकांश

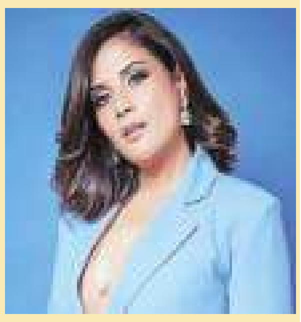

लोग ओटीटी के पैमाने के बारे में आश्वस्त नहीं थे। सवाल उठ रहे थे कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फिल्मों की स्क्रीनिंग एक लाभदायक तरीका साबित होगा? लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में 90 के दशक में टेलीविजन के उदय के समान माध्यम की वृद्धि देखी गई है। ओटीटी क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास के बारे में बात करते हुए, ऋचा ने कहा कि जिन लोगों ने कहा कि ओटीटी फिल्मों को प्रतिस्थापित नहीं कर सकता है, वे अब ओटीटी परियोजनाओं को बनाने और तेजी लाने के लिए खोज और इधर-उधर भाग रहे हैं। ओटीटी वर्तमान और भविष्य है और यह विकसित होता रहेगा। वैश्विक दिग्गजों के भारत में प्रवेश के साथ, मुझे लगता है कि श्रृंखला के समग्र मानक में केवल सुधार होगा। उन्हें लगता है कि इस माध्यम ने हमें उल्लेखनीय प्रदर्शन और प्रमुख प्रतिभाएं दी हैं जिन्हें पहले अपने कौशल का प्रदर्शन करने का सही अवसर नहीं मिल रहा था। ऋचा की पाइपलाइन में कई परियोजनाओं है, जिसमें सिक्स सस्पेक्ट्स और इनसाइड एज शामिल हैं। वह गर्ल्स विल गर्ल्स नामक अपनी पहली परियोजना के लिए निमार्ता के रूप में भी नजर आएंगी। **(एजेंसी)**

पद्मिनी कोल्हापुरी के बर्थडे पर जारी किया गया ये गलियां ये चौबारा को मोशन पोस्टर

पद्मिनी कोल्हापुरे ने सोमवार को अपना जन्मदिन मनाया। यह और खास तब बन गया जब सारेगामा और धमाका रिकॉर्डस ने उनकी फिल्म प्रेम रोग के उनके प्रसिद्ध गीत ये गलियां ये चौबारा का एक नया मोशन पोस्टर जारी किया। गाने के नए वर्जन में एक्ट्रेस ने अपनी

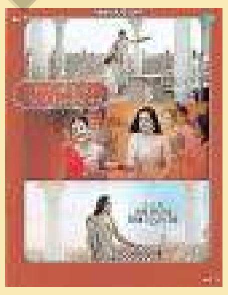

आवाज भी दी है। मोहक मोशन पोस्टर में पद्मिनी को एक युवा लड़की के साथ दिखाया गया है। पोस्टर में वह एक नवविवाहित दुल्हन का हाथ पकड़े हुए दिखाई गई है। मोशन पोस्टर ने वास्तव में दर्शकों को रोमांचित कर दिया है और सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है। यह गीत एक माँ और बेटी के रिश्ते के इर्द-गिर्द घूमता है। मूल रूप से लता मंगेशकर द्वारा गाया गया गाना आइकॉनिक गानों में से एक है। यह गीत देसी शादियों में एक अनिवार्य तत्व है क्योंकि यह एक दुल्हन के घर से जाने पर प्रकाश डालता है। पद्मिनी की भतीजी श्रद्धा कपूर ने अपने इंस्टाग्राम पर मोशन पोस्टर को कैप्शन के साथ साझा किया, मेरी खूबसूरत मासी और उनकी खूबसूरत आवाज ! मैं बहुत उत्साहित हूं! जल्द ही आ रहा है! जब अभिनय की बात आती है तो पद्मिनी को हमेशा एक पावरहाउस कलाकार के रूप में जाना जाता है, लेकिन प्रसिद्ध ट्रैक के रीप्राइज संस्करण में उनके मुखर कौशल ने सभी की रुचि को बढ़ा दिया है। **(एजेंसी)**

पवन कल्याण फिर से शुरु करेंगे हरि हर वीरा मल्लू की शूटिंग

टॉलीवुड स्टार पवन कल्याण वर्तमान में अपने राजनीतिक दौरों और अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग के बीच संघर्ष कर रहे हैं। पवन कल्याण की बहुप्रतीक्षित पीरियड एक्शन ड्रामा, हरि हर वीरा मल्लू का आगामी शूटिंग शेड्यूल के लिए तैयार है। निमार्ताओं ने आधे से अधिक टॉकी हिस्से को पूरा कर लिया था, लेकिन फिर महामारी की दूसरी लहर ने उनके लिए

शेड्यूल पूरा करना असंभव बना दिया। सूत्र बताते हैं कि कृष निर्देशित इस फिल्म के निमार्ता मंगलवार से शूटिंग की औपचारिकताएं फिर से शुरू करने जा रहे हैं। हालांकि इस फिल्म की शूटिंग के लिए पवन कल्याण की तारीखों के बारे में कोई जानकारी नहीं है, यह माना जाता है कि भीमला नायक अभिनेता दिवाली के बाद सेट में शामिल होंगे। पवन एक हाई-ऑक्टेन फाइट सीक्वेंस की शूटिंग करेंगे। इसके अलावा, बॉलीवुड सितारे अर्जुन रामपाल और जैकलीन फर्नांडीज को महत्वपूर्ण दृश्यों की शूटिंग के लिए हरि हर वीरा मल्लू के सेट में शामिल होना है। इस फिल्म में अभिनेत्री निधि अग्रवाल मुख्य भूमिका निभा रही हैं। हरि हर वीरा मल्लू में पवन कल्याण पहली बार योद्धा के रूप में नजर आने वाले हैं। फिल्म हरि हर वीरा मल्लू 29 अप्रैल, 2022 को रिलीज होगी। **(एजेंसी)**

साड़ी में 100 दियों के साथ दिवाली सीक्वेंस के लिए की शूटिंग

मशहूर एक्ट्रेस एकता जैन के लिए इस वर्ष की दीवाली सफलता और अधिक लोकप्रियता की रौशनी लेकर आई है। फेसबुक पर उनके फॉलोवर्स की संख्या एक मिलियन से अधिक हो गई है। एकता जैन ने मुम्बई के एक स्टूडियो में स्पेशल साड़ी में 100 दिया और कंदील के साथ दीवाली सीक्वेंस के लिए शूट किया। उनका कॉस्ट्यूम और ज्वेलरी सभी को आकर्षित करने के लिए काफी है। वह इस फोटो शूट के दौरान बेहद खुश और उत्साहित नजर आई। उन्होंने यहां मीडिया से बात करते हुए बताया कि मेरे फेसबुक पेज पर 1 मिलियन फॉलोवर्स हो गए हैं जिसके लिए मैं सभी फैंस को दिल से शुक्रिया कहती हूँ। दीपावली के अवसर पर मेरे लिए इससे अच्छा गिफ्ट और क्या हो सकता है। मैं बहुत खुश हूं कि दस लाख लोगों का साथ मुझे मिल रहा है। यह जर्नी मुश्किल नहीं तो आसान भी नहीं रही मगर सभी की दुआएं साथ रहीं। मैं चाहती हूं अपने एक मिलियन फॉलोवर्स को आगे भी इसी तरह एंटरटेन करती रहूं। मैं फैन्स से यही कहूँगी कि आप लोग इसी तरह मुझे फॉलो करते रहें, कमेंट्स करते रहें। इतने लाखों लोग मुझे फॉलो कर रहे हैं तो मेरी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है कि मैं उन्हें अच्छी और मनोरजंक चीजें दिखाऊँ। मैं हमेशा पॉजिटिव चीजें दिखाती हूँ और

सोशल मैसेज के साथ पेश करती हूँ। मैं निगेटिव चीजों को कभी नहीं दिखाती। मैंने जितनी पोस्ट भी की है, या जब भी लाइव गई हूं, मैंने हमेशा इस बात का ख्याल रखा है कि उससे किसी को बुरा न लगे, किसी के दिल को ठेस न पहुँचे। महिला सशक्तिकरण के बारे में मैं अक्सर बातें करती हूं तो लोग मुझे फेमिनिस्ट कहते हैं, लेकिन मैं हर किसी के साथ हूँ, नाम के अनुसार हमें एकता बनाकर रखना चाहिए। फुलझड़ी जलाते हुए एकता जैन बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने आगे कहा कि आज दीपावली का स्पेशल फोटो शूट है। कोरोना काल और लॉक डाउन के बाद इस साल दीवाली ऐसा पहला त्योहार है जो खुशियों और हर्षोल्लास के साथ हर कोई मना रहा है। क्योंकि हमारी जिंदगी की गाड़ी वापस पटरी पर आई है। मैं तमाम लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं देती हूं। आप सभी सेफ दीवाली मनाएं। गौरतलब है कि अब तक दर्जनों टीवी धारावाहिकों में बतौर एक्ट्रेस अपनी प्रतिभा दिखा चुकी एकता जैन की 3 फिल्में रिलीज होने वाली हैं. डायरेक्टर मनोज शर्मा की आगामी हॉरर-कॉमेडी फिल्म खली बली में वह धर्मेंद्र, मधु , रजनीश दुग्गल के साथ दिखाई देंगी. वहीं डायरेक्टर दुष्यंत प्रताप सिंह की फिल्म त्राहिमाम और शतरंज में भी उनकी अहम भूमिकाएं हैं. फिल्म शतरंज में इंस्पेक्टर तो त्राहिमाम में वकील का रोल एकता जैन ने किया है। **(एजेंसी)**

कोरोना काल में किस तरह सावधानी से दीपावली मनायेगे फिल्म और टीवी के कलाकार

राजू बोहरा

हमारा भारत देश एक त्यौहारो वाला देश है यहा अनेक तरह के पूर्व होते है और हर पर्व हर त्यौहार को लोग बड़े हर्षो उल्लास के साथ मनाते है। उन्ही त्यौहार में से एक खास त्यौहार है रौशनी का पर्व दीपावली, जिसे हर कोई बड़ी से धूमधाम मनाता है। लेकिन पिछले दो साल से कोरोना महामारी के चलते इस त्यौहार भी लोग डर के साये में बना रहे है। पिछले साल के मुकाबले इस साल कोरोना महामारी से काफी राहत है देश में सौ करौड लोगो को वेक्सीन भी लग चुकी है लेकिन अभी भी सावधानी बरतने की बहुत आवश्कता है।

आइये जानते बॉलीवुड के कुछ फिल्म एवं टीवी सितारे किस तरह मनायेगे रौशनी के इस पूर्व को इस बार:

दीपो के इस पर्व दीपावली को हमे इस बार भी पिछले साल की तरह काफी सावधानी से ही मनाना चाहिए: मोहित मट्टू

''मिसेज कौशिक की पाँच बहुएँ, एफआईआर, 'मायका, 'जॉनी आलारे, सीआईडी, छू कर मेरे मन को, अपने मेरे अपने, संस्कार, देवी, परी हूँ में, जैसे हिट धारावाहिक में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर अभिनेता मोहित मट्टू ने छोटे पर्दे न सिर्फ अपनी एक अलग व सफल पहचान बनायी, बल्कि ऊन्होने कई प्रतिष्ठित टीवी अवार्ड भी जीते और कई अच्छी फिल्मो में भी काम किया हैं। पिछले ही दिनों उनकी एक नई फिल्म 'गूगली गुम है' भी रिलीज़ हुई है। दीपो के इस पर्व दीपावली को अभिनेता मोहित मट्टू

भी काफी हर्षो उल्लास के साथ मानते है। दिवाली के इस त्यौहारो को वह आध्यात्मिक, धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण से भी काफी महत्वपूर्ण मानते है। उनका कहना है की दीपो के इस पर्व दीपावली को हमे इस बार भी पिछले साल की तरह काफी सावधानी से ही मनाना चाहिए क्योकि कोरोना महामारी अभी खत्म नहीं हुई है इस लिए हमे सरकार की कोरोना गाईड लाइन्स के अनुसार ही सारे त्यौहार को मनाना चाहिए और बिना वजह भीडभाड से बचना चाहिए और मास्क जरुर लगाना चाहिए तभी हम इस बीमारी से लड़ सकते है, खुद को और दूसरो को सुरक्षित बचा सकते है। हम कलाकार है इस लिए हमारा भी सामाजिक दायित्व बनता है की हम सभी कलाकार अपने अपने तरीके से पब्लिक को जागरूक करे। हालाकि पिछले साल 2020 के मुकाबले इस साल 2021 में कोरोना महामारी से काफी राहत है देश में सौ करौड से अधिक लोगो को कोरोना वेक्सीन भी लग चुकी है लेकिन अभी भी सावधानी बरतने की बहुत आवश्कता है। इस लिए हम सभी को निर्धारित कोरोना गाईड लाइन्स के अनुसार ही चलने की जरूरत है। साथ ही हमे पटाखों से होने वाले प्रदूषण से भी बचना चाहए इस लिए में अपील करता हूँ की पटाखे जलाकर प्रदूषण नहीं फैलाये।

हमे सरकार की कोरोना गाईड लाइन्स के अनुसार ही त्यौहारो को मनाना चाहिए : रवि यादव

भोजपुरी फ़िल्म इंडस्ट्री में चंबल बॉय के नाम से मशहूर अभिनेता रवि यादव ने एक पिछले दिनों ही एक और नई भोजपुरी फिल्म साइन कर ली है। रवि यादव को शौर्या ग्रुप

ग्लोबल आर्ट इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर शिवम बरनवाल ने अपनी फ़िल्म के लिए अनुबंधित किया है। रवि यादव इस फ़िल्म को लेकर जितना खुश हैं, उतनी ही खुशी उनके फैंस और चाहने वालों में भी है। रवि कहते हैं कि मैं अपनी अभिनय को लेकर हमेशा सजग और ईमानदार रहा हूँ, इसलिए लोग मुझ पर भरोसा कर रहे हैं। यह फ़िल्म भी बेहतरीन है और इसमें मेरा किरदार शानदार होने वाला है। रवि ने हालांकि फिल्म में अपने किरदार को लेकर कुछ नहीं कहा, लेकिन ये बताया कि इस फ़िल्म में उनका किरदार कैसा होगा, इसका जल्द ही इस बारे में खुलासा होगा। इस बार दीपावली को वो किस तरह मनायेगे पूछने पर उन्होंने बताया की किसी कारण से उनके घर में तो दीवाली नहीं मनाई जाएगी पर उन्होंने अपने फैंस और चाहने वालों से आग्रह किया है की दीपो के इस पूर्व को जरुर मनाये लेकिन हमे सरकार की कोरोना गाईड लाइन्स के अनुसार ही त्यौहार को मनाना चाहिए सभी को निर्धारित कोरोना गाईड लाइन्स के अनुसार ही चलने की जरूरत है।

में अपील करता हूँ की पटाखे जलाकर प्रदूषण नहीं फैलाये - राज चौहान

राज चौहान एक सफल बॉलीवुड एक्टर और मॉडल है और साथ ही साथ एक प्रोड्यूसर और एक एजुकेशनिष्ट भी है वह एक शिक्षक भी है। वह गुरुग्राम हरियाणा में एक स्कूल भी चलाते है। इसके अलावा वो कई एनजीओ से जुड़कर समय समय पर सोशल वर्क से भी करते रहते है। कुल मिलकर बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति है जो बॉलीवुड में लगातार आगे बड रहे है। बतौर एक्टर उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी से लगया जा सकता है की वो दो बार कलर्स चैनल के ''सीसीएल''

कलर्स चैनल्स के सैलिबितिज क्रिकेट लीग खेल चुके है। एक बार मुंबई हीरोज टीम की ओर से और एक बार भोजपुरी दबंग टीम की ओर से। उन्हें अबतक 'भारत गौरव अवार्ड' और 'यूथ आइकॉन अवार्ड, जैसे लगभग एक दर्जन से अधिक अवार्ड्स अलग-अलग प्रतिष्ठित संस्थाओ से मिल चुके है। सबसे बड़ी बात यह है की वो अपनी फिटनेस को लेकर काफी जागरूक रहते है। इस लिए उन्होंने दीपावली में पटाखे से होने वाले प्रदूषण से लोगो को काफी जागरूक किया है। अभिनेता राज चौहान कहते है की में विशेष तौर अपने फैंस और चाहने वालों से अपील करता हूँ की पटाखे जलाकर प्रदूषण नहीं फैलाये। भीडभाड से बचे और मास्क जरुर लगाये और सरकार द्वारा निर्धारित कोरोना गाईड लाइन्स का जरुर पालन करे।

दीपावली रोशनी और उल्लास का पर्व है, शोर और धुएं का नहीं। त्योहार मनाइए, पर अपनी सेहत, सुरक्षा और दूसरों को अनदेखा करके नहीं।

पटाखों से नहीं दीपों से मनाएं जगमग दीपावली

पौराणिक गाथाओं से लेकर भारतीय संस्कृति में दीपों के त्योहार दीपावली को सबसे महत्वपूर्ण पर्व माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन श्रीराम वनवास पूरा करके अयोध्या लौटे थे। श्रीराम के आने की खुशी में अयोध्यावासियों ने खुशियां मनाई थीं। इस दिन रोशनी से पूरा जग चमक उठा था। लेकिन आज के दौर में दीपावली का मतलब बम-पटाखों के अलावा कुछ नहीं रहा। लोग खुशियों का इजहार बम-पटाखे फोड़कर करते हैं। दीपावली खुशियों का पर्व है, दीयों को जगमग करने का त्योहार है और सभी कड़वाहटों को मिटाकर अपनों के गले मिलने, बड़ों से आशीष लेने का दिन है। इसे पटाखों के शोर में गुम न होने दें।

मिठाइयां बनाएं और बांटें

जरूरी नहीं है पटाखे जलाकर ही दीपावली मनाई जाए। देश में ही नहीं, विदेश में भी रहने वाले कई भारतीय भी अलग तरीके से दीपावली मनाना पसंद करते हैं। कई लोग घर में मिठाइयां बनाते हैं, अच्छे पकवान बनाते हैं और पड़ोसियों और अपने नाते-रिश्तेदारों को घर पर बुलाकर जश्न मनाते हैं।

घर के आसपास की सफाई करें

दीपावली से पहले अपने घर के साथ-साथ आस-पड़ोस में गंदगी को भी साफ करें। आसपास सफाई रहेगी तो माहौल खुशियों से भरा होगा। उस दिन घर के आसपास या बाग-बगीचों में एक पौधा लगाएं, जो आगे जाकर वायु प्रदूषण को कम करने में मदद करेगा और आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ रखेगा।

गीत और संगीत का आयोजन करें

भारतीय संस्कृति में वैसे भी खुशी मनाने का यह सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। इस दीपावली आप भी कुछ ऐसा ही करें। दोस्तों और रिश्तेदारों को बुलाएं, उनके साथ अंताक्षरी खेलें। कहते हैं दीपावली और दशहरे पर बुराई का अंत हुआ था। इसलिए अपनी सारी बुरी आदतों को आप भी हमेशा के लिए नमस्कार कर दें। इस दीपावली अच्छी आदतों को अपनाएं और लोगों से दोस्ती बढ़ाएं।

यदि दिल न माने, तो जरा संभलकर जलाएं पटाखे

इतना सब कुछ जानने के बावजूद यदि आप अपने दिल को पटाखे न जलाने के लिए नहीं मना पा रही हैं तो कुछ खास बातों का ध्यान रखें, ताकि दुर्घटना की आशंका को कम किया जा सके और कम से कम प्रदूषण और शोर हो।

पटाखे हमेशा खुली जगह पर ही छोड़ें और ध्यान रखें कि आस-पास पेट्रोल, डीजल, केरोसिन या गैस सिलिंडर जैसे ज्वलनशील पदार्थ न रखे हों। साथ ही पास में पानी से भरी एक बाल्टी जरूर रखें। आजकल मार्केट में कम कीमत और नकली पटाखों की कोई कमी नहीं है। पर इनसे दुर्घटना की आशंका बढ़ती है, इसलिए अच्छे ब्रांड वाले पटाखे ही खरीदें। बच्चों के लिए पटाखे खरीदते वक्त उनकी उम्र का भी ध्यान रखें। उनको ऐसे पटाखे बिल्कुल ना दिलवाएं जो उनकी उम्र के अनुकूल न हों। पटाखे छुड़ाते समय बच्चों के साथ रहें और उन्हें पटाखे जलाने का सुरक्षित तरीका बताएं।

हमेशा पटाखों को लंबी लकड़ी या मोमबत्ती के इस्तेमाल से जलाएं। माचिस का प्रयोग बिल्कुल न करें। पटाखों को दूर से जलाएं, चेहरा बचाकर आग लगाएं। कई लोग एक साथ दो-तीन पटाखे एक साथ जलाते हैं। ऐसी स्थिति में आपका ध्यान बंट सकता है, इसलिए हमेशा एक बार में एक ही पटाखा जलाएं। अगर कोई पटाखा आग लगाने के बावजूद भी ना चले, तो उसको दोबारा जलाने की कोशिश न करें। उसे हाथ से न उठाएं और बेहतर होगा कि उसे पानी डाल कर बुझा दें।

दीयों को जलाते वक्त और पटाखे छोड़ते समय नायलॉन और सिंथेटिक कपड़ों के बजाय सूती कपड़े पहनें। पटाखे छोड़ते वक्त जूते जरूर पहनें।

अज्ञान पर ज्ञान की विजय का उत्सव दीपावली

दिवाली, जिसे संपूर्ण विश्व में प्रकाश के त्यौहार के रूप में जाना जाता है, बुराई पर अच्छाई की, अंधकार पर प्रकाश की तथा अज्ञान पर ज्ञान की विजय का त्यौहार है। आज के दिन घरों में रोशनी न केवल सजावट के लिए होती है,किंतु यह जीवन कथा सत्य को भी अभिव्यक्त करती है। प्रकाश अंधकार को मिटा देता है, और जब ज्ञान के प्रकाश से आपके अंदर का अंधकार मिट जाता है, आप में अच्छाई बुराई पर विजय प्राप्त कर लेती हैं।

दिवाली मुख्यत: प्रत्येक हृदय में ज्ञान के प्रकाश को प्रज्वलित करने के लिए मनाई जाती है, प्रत्येक घर में जीवन, प्रत्येक मुख पर मुस्कान लाने के लिए मनाई जाती है।

दिवाली शब्द दीपावली का लघु रूप है, जिस का शाब्दिक अर्थ है प्रकाश की पंक्ति। जीवन के बहुत से पहलुओं तथा स्तर होते हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप उन सभी पर प्रकाश डालें क्योंकि यदि आपके जीवन का एक भी पहलू अंधकार मय होगा तो, आपका जीवन कभी भी पूर्णता अभिव्यक्त नहीं हो सकेगा। इसलिए दिवाली में दीपों की पंक्तियां प्रज्वलित की जाती है कि आपको ध्यान रहे कि आपके जीवन के प्रत्येक पहलू को आपके ध्यान की तथा ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता है।

आपके द्वारा प्रज्वलित प्रत्येक दीप, सदगुण का प्रतीक है।प्रत्येक मनुष्य में सद्गुण होते हैं। कुछ में धैर्य होता है, कुछ में प्रेम, शक्ति, उदारता: अन्य में लोगों को संगठित करने की क्षमता होती है। आप में स्थित प्रकट मूल्य दिए के समान है।जैसे ही वह प्रज्ज्वलित हो जाएं,जागृत हो जाएं,दीवाली है।

केवल एक ही दीप का प्रज्वलित कर संतुष्ट न हो, हजार दीप प्रज्वलित करें। यदि आप में सेवा का भाव है, केवल उससे ही संतुष्ट न हो, अपने में ज्ञान का दीप जलाएं, ज्ञान अर्जित करें। अपने अस्तित्व के सभी पहलुओं को प्रकाशित करें। दिवाली का एक और गुण रहस्य पटाखों के फूटने में है। जीवन में आप कई बार पटाखों के समान होते हैं, अपनी दबी हुई भावनाओं, हताशा तथा क्रोध के साथ फूट पढ़ने के लिए तैयार। जब आप अपने राग-द्वेष, घृणा को दबाये रखते हैं फूट पढ़ने की सीमा पर पहुंच जाता है। पटाखे फोड़ने की क्रिया का प्रयोग हमारे पूर्वजों द्वारा, लोगों की भावनाओं की अभिव्यक्ति देने के लिए, एक मनोवैज्ञानिक अभ्यास के रूप में किया गया। जब आप बाहर विस्फोट देखते हैं तो आप अपने अंदर भी वैसी सम्वेदनाओं का अनुभव करते हैं। विस्फोट के साथ बहुत सा प्रकाश निकलता है। जब आप अपनी दबी हुई भावनाओं से मुक्त होते हैं तब आप खाली हो जाते हैं तथा अपने ज्ञान के प्रकाश का उदय होता है। ज्ञान की सभी जगह आवश्यकता है। यदि परिवार का एक भी व्यक्ति अंधकार में है,आप खुश नहीं रह सकते। अत: आप को अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य में ज्ञान का प्रकाश स्थापित करना होगा। इससे समाज के प्रत्येक सदस्य तक ले जाएं, पृथ्वी के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं। जब सच्चा ज्ञान उदित होता है, उत्सव होता है। अधिकतर उत्सव में हम अपनी सजगता अथवा एकाग्रता को देते हैं।उत्सव में सजगता बनाए रखने के लिए, हमारे ऋषि यों ने प्रत्येक उत्सव को पवित्रता तथा पूजा विधियों से जोड़ दिया है। इसलिए दिवाली भी पूजा का समय है। दिवाली का आध्यात्मिक पहलू, उत्सव में गांभीर्य लाता है। प्रत्येक उत्सव में आध्यात्म होना चाहिए क्योंकि आध्यात्म से हीन उत्सव असत ही होता है।

कैसे करते थे हमारे पूर्वज महालक्ष्मी का आह्वान

पद्मानने पद्मिनी पद्मपत्रे पद्मप्रिये
पद्मदलायताक्षि विश्वप्रिये विश्वमनोनुकूले
त्वत्पादपद्मं मयि सन्निधस्त्व।।
हे लक्ष्मी देवी, आप कमलमुखी, कमलपुष्प पर विराजमान,
कमल दल के समान नेत्रों वाली
कमल पुष्पों को पसंद करने वाली हैं।
सृष्टि के सभी जीव आपकी कृपा की कामना करते हैं,
आप सबको मनोनुकूल फल देने वाली हैं।
आपके चरण सदैव मेरे हृदय में स्थित हों।

विपुल ऐश्वर्य, सौभाग्य, समृद्धि और वैभव की अधिष्ठात्री देवी श्री महालक्ष्मी का पूजन, अर्चन, वंदन स्तवन का पर्व है दीपावली। दीपावली के अगणित दीपों के प्रकाश में विष्णुप्रिया महालक्ष्मी का आह्वान किया जाता है।

अनुपम सौंदर्य और आरोग्य को देने वाली श्री महालक्ष्मी का दीपोत्सव की उजली बेला में आगमन भला कौन नहीं चाहेगा? हमारी संस्कृति में इस पर्व को अति विशिष्ट स्थान प्राप्त है और इस पर्व में महालक्ष्मी का महत्व अतुलनीय है। समुद्र मंथन के पश्चात श्री लक्ष्मी अवतरण से ही इस दैदीप्यमान त्योहार की कहानी आरंभ होती है। ऋग्वेद के दूसरे अध्याय के छठे सूक्त में आनंद कर्दम ऋषि द्वारा श्री देवी को समर्पित वाक्यांश मिलता है। इन्हीं पवित्र पंक्तियों को भारतीय जनमानस ने मंत्र के रूप में स्वीकारा है।

ऊँ हिरण्य वर्णा हरिणीं सुवर्णरजस्त्राम
चंद्रा हिरण्यमयी लक्ष्मी जात वेदो म्आवह। अर्थात हरित और हिरण्यवर्णा, हार, स्वर्ण और रजत सुशोभित चंद्र और हिरण्य आभा देवी लक्ष्मी का, हे अग्नि, अब तुम करो आह्वान
इसी मंत्र की आगे सुंदर पंक्तियां हैं
'तामं आवह जात वेदो लक्ष्मी मनपगामिनीम,
यस्या हिरण्यं विदेयं गामश्वं पुरुषानहम
अश्वपूर्वा रथमध्यां हस्तिनाद प्रमोदिनीम,
श्रियं देवी मुपव्हयें श्रीर्मा देवी जुषताम।।

इसका काव्यात्मक अर्थ किया जाए तो इस तरह होगा कि -
'करो आह्वान हमारे गृह अनल, उस देवी श्री का अब, वास हो जिसका सदा और जो दे धन प्रचुर, गो, अश्व, सेवक, सुत सभी, अश्व जिनके पूर्वतर, मध्यस्थ रथ, हस्ति रव से प्रबोधित पथ, देवी श्री का आगमन हो, यही प्रार्थना है!

दीपोत्सव का समापन दिवस है भाईदूज

शास्त्रों के अनुसार भैयादूज अथवा यम द्वितीया को मृत्यु के देवता यमराज का पूजन किया जाता है। इस दिन बहनें भाई को अपने घर आमंत्रित कर अथवा सायं उनके घर जाकर उन्हें तिलक करती हैं और भोजन कराती हैं। ब्रजमंडल में इस दिन बहनें भाई के साथ यमुना स्नान करती हैं, जिसका विशेष महत्व बताया गया है। भाई के कल्याण और वृद्धि की इच्छा से बहने इस दिन कुछ अन्य मांगलिक विधान भी करती हैं। यमुना तट पर भाई-बहन का समवेत भोजन कल्याणकारी माना जाता है। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन भगवान यमराज अपनी बहन यमुना से मिलने जाते हैं। उन्हीं का अनुकरण करते हुए भारतीय भ्रातृ परम्परा अपनी बहनों से मिलती है और उनका यथेष्ट सम्मान पूजनादि कर उनसे आशीर्वाद रूप तिलक प्राप्त कर कृतकृत्य होती हैं। बहनों को इस दिन नित्य कृत्य से निवृत्त हो अपने भाई के दीर्घ जीवन, कल्याण एवं उत्कर्ष हेतु तथा स्वयं के सौभाग्य के लिए अक्षत (चावल) कुंकुमादि से अष्टदल कमल बनाकर इस व्रत का संकल्प कर मृत्यु के देवता यमराज की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए। इसके पश्चात यमभगिनी यमुना, चित्रगुप्त और यमदूतों की पूजा करनी चाहिए। तदंतर भाई के तिलक लगाकर भोजन कराना चाहिए। इस विधि के संपन्न होने तक दोनों को व्रती रहना चाहिए।

दीपोत्सव का समापन दिवस है कार्तिक शुक्ल द्वितीय, जिसे भैयादूज कहा जाता है। इस पर्व के संबंध में पौराणिक कथा इस प्रकार मिलती है। सूर्य की संज्ञा से दो संतानें थीं- पुत्र यमराज तथा पुत्री यमुना। संज्ञा सूर्य का तेज सहन न कर पाने के कारण अपनी छायामूर्ति का निर्माण कर उसे ही अपने पुत्र-पुत्री को सौंपकर वहां से चली गई। छाया को यम और यमुना से किसी प्रकार का लगाव न था, किंतु यम और यमुना में बहुत प्रेम था। यमुना अपने भाई यमराज के यहां प्राय: जाती और उनके सुख-दुख की बातें पूछा करती। यमुना यमराज को अपने घर पर आने के लिए कहती, किंतु व्यस्तता तथा दायित्व बोझ के कारण वे उसके घर न जा पाते थे। एक बार कार्तिक शुक्ल द्वितीय को यमराज अपनी बहन यमुना के घर अचानक जा पहुंचे। बहन यमुना ने अपने सहोदर भाई को बड़ा आदर-सत्कार किया। विविध व्यंजन बनाकर उन्हें भोजन कराया तथा भाल पर तिलक लगाया। यमराज अपनी बहन से बहुत प्रसन्न हुए और उन्होंने यमुना को विधिव भेंट समर्पित की। जब वे वहां से चलने लगे, तब उन्होंने यमुना से कोई भी मनोवांछित वर मांगने का अनुरोध किया। यमुना ने उनके आग्रह को देखकर कहा- भैया! यदि आप मुझे वर देना ही चाहते हैं तो यही वर दीजिए कि आज के दिन प्रतिवर्ष आप मेरे यहां आया करेंगे और मेरा आतिथ्य स्वीकार किया करेंगे। इसी प्रकार जो भाई अपनी बहन के घर जाकर उसका आतिथ्य स्वीकार करे तथा उसे भेंट दें, उसकी सब अभिलाषाएं आप पूर्ण किया करें एवं उसे आपका भय न हो। यमुना की प्रार्थना को यमराज ने स्वीकार कर लिया। तभी से बहन-भाई का यह त्योहार मनाया जाने लगा। वस्तुत: इस त्योहार का मुख्य उद्देश्य है भाई-बहन के मध्य सौमनस्य और सद्भावना का पावन प्रवाह अनवरत प्रवाहित रखना तथा एक-दूसरे के प्रति निष्कपट प्रेम को प्रोत्साहित करना है। इस प्रकार 'दीपोत्सव-पर्व' का धार्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय महत्व अनुपम है।